Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवन्बद में प्रसारित

दैनिक
वेलकम इंडिया
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 144 | बुधवार, 03 जून-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

सीबीएसई चेयरमैन और सेक्रेटरी का तबादला

लोखंडे प्रशांत सीताराम बने सीबीएसई के नए चेयरपर्सन

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सीबीएसई के ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) सिस्टम को लेकर चल रहे विवाद के बीच सरकार ने मंगलवार को दो प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए बोर्ड के चेयरपर्सन राहुल सिंह और सचिव हिमांशु गुप्ता का तबादला कर दिया गया था। अब शिक्षा मंत्रालय ने बोर्ड के नए चेयरपर्सन की नियुक्ति का ऐलान कर दिया है। साथ ही राहुल सिंह की भी नई नियुक्ति की घोषणा कर दी है।

2001 बैच के कअर ऑफिसर लोखंडे प्रशांत सीताराम को सीबीएसई का नया चेयरपर्सन नियुक्त किया गया है। साथ ही राहुल सिंह को कृषि विभाग में जिम्मेदारी मिली है।

राहुल सिंह को मिली नई नियुक्ति

शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के प्रस्ताव के बाद राहुल सिंह को कृषि और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय का एडिशनल सेक्रेटरी नियुक्त किया गया है। वहीं हिमांशु गुप्ता को स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के तहत समय से पहले वापस भेजने का प्रस्ताव है। शिक्षा मंत्रालय के एडमिनिस्ट्रेटिव आधार पर 'एक्सटेंडेड कूलिंग ऑफ' की शर्त के साथ पेरेंट कैडर (गृह मंत्रालय) में भेजा जाएगा। कैबिनेट के ऑर्डर के

मुताबिक, हिमांशु गुप्ता दिसंबर 2030 के बाद एक और सेंट्रल डेप्युटेशन के लिए पात्र होंगे।

इसके अलावा शिक्षा मंत्रालय के हायर एजुकेशन डिपार्टमेंट के डायरेक्टर, वरुण भारद्वाज को स्कूल एजुकेशन और लिटरेसी डिपार्टमेंट के तहत सीबीएसई बोर्ड का नया सचिव नियुक्त किया गया है। वरुण भारद्वाज को हिमांशु गुप्ता की जगह मिली है।

एक सदस्यीय कमेटी करेगी ओएसएम मामले की जांच

बता दें कि सरकार ने मंगलवार को राहुल सिंह और हिमांशु गुप्ता के ट्रांसफर का ऑर्डर जारी करने के साथ ही डरट सर्विस की जांच के लिए एक कमेटी गठित की थी। यह एक सदस्यीय कमेटी पूरे मामले की जांच करके रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी। कमेटी को कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन की चेयरपर्सन एस राधा चौहान हेड करेंगी। यह कमेटी सीबीएसई बोर्ड के ऑन-स्क्रीन मार्किंग सिस्टम से जुड़े मामले की जांच करेगी।

कौन हैं लोखंडे प्रशांत सीताराम

AGMUT 2001 बैच के IAS ऑफिसर प्रशांत सीताराम लोखंडे वर्तमान में होम मिनिस्ट्री के होम डिपार्टमेंट एडिशनल सेक्रेटरी के पद पर कार्यरत हैं। वह पहले इस डिपार्टमेंट में जॉइंट सेक्रेटरी के पद पर कार्यरत थे। भारत सरकार की ओर से उन्हें प्रमोट किया गया था।

ममता बनर्जी का बीजेपी पर बड़ा हमला: 'लड़ूंगी या मर जाऊंगी, दिल्ली तक जाऊंगी'; चुनाव में धांधली का आरोप

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

कोलकाता। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने मंगलवार को मध्य कोलकाता में भाजपा की हालिया विधानसभा चुनावों में जीत के बाद पार्टी कार्यकताओं और नेताओं पर कथित हमलों के विरोध में एक दिवसीय धरना शुरू किया। कोलकाता पुलिस द्वारा रानी रश्मोनी रोड पर विरोध प्रदर्शन करने की टीएमसी की अपील को ठुकराए जाने के बाद वह एस्प्लेनेड के वाई-चैनल स्थित धरना स्थल पर पहुंचीं। बनर्जी ने मेगाफोन से भीड़ को संबोधित करते हुए कहा कि हमें मंच लगाने या माइक्रोफोन इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी गई। पूर्व मुख्यमंत्री के भाषण के दौरान टीएमसी कार्यकताओं द्वारा नारे लगाने से विरोध प्रदर्शन में अफरा-तफरी मच गई।

ममता ने कोलकाता में कहा कि भाजपा ने बंगाल विधानसभा चुनाव जीतने के लिए 294 में से 177 सीटों पर मतगणना में धांधली की। उन्होंने दावा किया कि पुलिस टीएमसी कार्यकताओं को प्रदर्शनों में भाग न लेने की धमकी दे रही है, मैं विरोध प्रदर्शन जारी रखूंगा। ममता ने कोलकाता में कहा कि पुनर्वास के बिना फेरीवालों को बेदखल करना टीएमसी सरकार की नीति नहीं थी, हमने मानवीय दृष्टिकोण अपनाया।

अन्नामलाई-अमित शाह मीटिंग: बीजेपी में भविष्य पर दिल्ली तक अटकलों का बाजार गर्म!

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई ने सोमवार को गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की, जबकि पार्टी में उनके भविष्य को लेकर अटकलें जारी हैं। अन्नामलाई ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और वरिष्ठ नेता बीएल संतोष से भी मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार, 'तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। उन्होंने भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन और वरिष्ठ नेता बीएल संतोष से भी मुलाकात की। उन्होंने अपने इस्तीफे के संबंध में चर्चा की। यह चर्चा गृह मंत्री अमित शाह के साथ उनकी मुलाकात के साथ समाप्त हुई।

दोनों ने उनके इस्तीफे के विषय पर विचार-विमर्श किया; हालांकि, के. अन्नामलाई ने अभी तक औपचारिक रूप से अपना इस्तीफा नहीं दिया है। आज रात भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और के. अन्नामलाई के बीच इस मुद्दे पर आगे की चर्चा होने की संभावना है। कल या परसों के. अन्नामलाई तमिलनाडु में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे।'

एक दिन पहले, जब उनसे सोशल मीडिया पर चल रही उन अफवाहों के बारे में पूछा गया कि वे पार्टी छोड़कर एक नई राजनीतिक पार्टी बनाने की योजना बना रहे हैं, तो उन्होंने कहा कि कृपया प्रतीक्षा करें। हम दो दिन में बैठकर बात करेंगे। उनकी यह टिप्पणी सोशल मीडिया पर उनके अगले राजनीतिक कदम को लेकर चल रही तीखी चर्चा के बीच आई है। 4 जून को अन्नामलाई के जन्मदिन से पहले कोयंबटूर की प्रमुख सड़कों और गलियों में हमारे नेता, आइए और हमारा नेतृत्व कीजिए जैसे नारों वाले पोस्टर लगाए गए हैं। यह बड़ा राजनीतिक बदलाव 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के बाद आया है, जिन्होंने राज्य की राजनीति में एक ऐतिहासिक मोड़ ला दिया, क्योंकि टीवीके ने अपने पहले ही चुनाव में 108 सीटें जीतकर डीएमके और एआईएडीएमके के दशकों पुराने वर्चस्व को समाप्त कर दिया। इस जीत के बाद, विजय ने राज्य के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के तुरंत बाद चेन्नई में तमिलनाडु सचिवालय में कार्यभार संभाला।

नीट यूजी पेपर लीक: शशि थरूर बोले, 'पूरी पीढ़ी से विश्वासघात कर रही है मोदी सरकार'

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने 2 जून को राष्ट्रीय परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर सरकार की कड़ी आलोचना की, जिसमें उन्होंने NEET-UG परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक विवाद पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने बार-बार हो रही असफलताओं को पूरी पीढ़ी के साथ विश्वासघात बताया। एएनआई को संबोधित करते हुए थारूर ने कहा कि यदि आप ऐसी प्रक्रिया चलाते हैं जहां परीक्षाओं की निष्पक्षता पर भरोसा नहीं किया जा सकता है, जहां आप ऐसी स्थिति में हैं जहां दुर्भाग्य से, जिन लोगों ने तैयारी में इतना प्रयास किया है, उन्हें अचानक पता चलता है कि लीक हो गए हैं, भ्रष्टाचार है, बेईमानी है, और पूरी प्रक्रिया दूषित हो गई है, तो कभी-कभी परीक्षाएं रद्द कर दी जाती हैं, और उन्हें फिर से शुरू करना पड़ता है।# उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मानकों की तुलना में भारतीय परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए कहा कि दुनिया भर में कई प्रतियोगी परीक्षाएं निष्पक्ष तरीके से आयोजित की जाती हैं, चाहे वह

SAT हो, कैम्ब्रिज परीक्षा हो, कऊ हो या कोई और। ऐसा क्यों है कि केवल हमारी सरकार द्वारा संचालित परीक्षाएं ही लगातार गड़बड़ी का शिकार हो रही हैं? सरकार ऐसी स्थिति में क्यों है कि वह राष्ट्रीय परीक्षा जैसी सरल प्रक्रिया की निष्पक्षता और सत्यनिष्ठा की गारंटी नहीं दे पा रही है? बार-बार होने वाले संकटों के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए थरूर ने कहा कि यह सचमुच सरकार की खामी है और सरकार को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए और समस्या को सुलझाने के लिए कदम उठाने चाहिए। अन्यथा, यह पूरी पीढ़ी के साथ विश्वासघात होगा। हम केवल सरकार को ही दोषी ठहरा सकते हैं। उन्होंने आगे कहा

अब 'पावागढ़' होगा 'फाजिलनगर' का नाम, कुशीनगर में सीएम योगी की हुंकार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि कुशीनगर में एन्सेफलाइटिस का अंत हो गया है और सरकार ने इस क्षेत्र से मच्छरों और माफियाओं दोनों का सफाया कर दिया है। कुशीनगर में जनता को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार ने इस क्षेत्र में माफियाओं द्वारा फैलाई गई बीमारियों और बेरोजगारी की समस्या का समाधान कर दिया है।

उन्होंने कहा कि जैसे उत्तर प्रदेश में माफिया का सफाया हुआ है, वैसे ही यहां एन्सेफलाइटिस का भी अंत हो गया है। हमने मच्छरों और माफिया दोनों का सफाया कर दिया है। मच्छरों से बीमारियां फैलीं और माफिया से बेरोजगारी। हमने बीमारियों और बेरोजगारी दोनों की समस्या का समाधान कर दिया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कुशीनगर में 424 करोड़ रुपये की 278 परियोजनाओं का उद्घाटन और

शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री योगी ने तमकुही राज विधानसभा क्षेत्र में हुए विकास के लिए भाजपा विधायक असीम कुमार की सराहना की। उन्होंने कहा कि 2022 से पहले, जब समाजवादी पार्टी के विधायक की सरकार थी, तब यह क्षेत्र मजाक का पात्र बन चुका था।

उन्होंने कहा कि हर सरकार की अपनी सोच होती है... 2022 से पहले विकास के बारे में कोई नहीं सोचता था। तमकुही राज यहां सिर्फ मजाक का पात्र बनकर रह गया था। लेकिन आज मैं कह सकता हूं कि तमकुही राज के शासन में स्थानीय विधायक लगन से काम कर रहे हैं और कई योजनाएं ला रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि विधायक और सांसद मिलकर आपकी मांगों को जमीनी हकीकत में बदलने के लिए काम करते हैं। योगी आदित्यनाथ ने यह भी घोषणा की कि सरकार ने भगवान महावीर को श्रद्धांजलि के रूप में फाजिलनगर का नाम बदलकर पावागढ़ करने का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, हमने फाजिलनगर का नाम बदलने का प्रस्ताव रखा है।

अब इसे फाजिलनगर के नाम से नहीं जाना जाएगा; बल्कि भगवान महावीर को श्रद्धांजलि के रूप में इसे पावागढ़ के रूप में एक नई पहचान दी जाएगी। पावागढ़ का नाम, परंपरा और संस्कृति अब पूरे देश और विश्व तक पहुंचेगी, जो भगवान महावीर की विरासत से अटूट रूप से जुड़ी होगी। मुख्यमंत्री योगी आज गोरखपुर भी पहुंचेंगे, जहां वे चिलुआताल के पर्यटन विकास से संबंधित 20.35 करोड़ रुपये की लागत से चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों का उद्घाटन करेंगे।

51 घाव, सिगरेट से जलने के निशान

केरलम में सौतले पिता ने मासूम की तड़पा-तड़पाकर ले ली जान

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम से मात्र 20 किलोमीटर दूर नेदुमंगड इलाके में एक डेढ़ साल के मासूम बच्चे की निर्मम हत्या कर दी गई। अर्शीद को उसके सौतेले पिता अशकर ने शारीरिक अत्याचार के बाद पीट-पीटकर मार डाला।

बच्चे की मां 21 वर्षीय अखिला पूरे मामले में मूक दर्शक बनी रही। घटना ने घरेलू हिंसा और लिव-इन रिलेशनशिप में बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दम घुटने का झूठा दावा

29 मई की शाम को अर्शीद को पहले पनावूर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, फिर श्री अविट्टम थिरुनल (रअळ) अस्पताल रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अशकर ने अस्पताल स्टाफ को बताया कि बच्चा खाना खाते समय दम घुटने से बेहोश हो गया।

रिश्तेदारों के शक और विरोध के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट ने चौंकाने वाला खुलासा किया। बच्चे की मौत लगातार पिटाई से हुई इंटरनल ब्लीडिंग की वजह से हुई थी। बच्चे के पूरे शरीर पर 51 गंभीर चोट के निशान पाए गए, जिनमें प्राइवेट पार्ट पर गहरा जख्म और पैरों पर सिगरेट जलाने के निशान भी थे। 30 मई की रात नेदुमंगड पुलिस ने अशकर और अखिला दोनों को गिरफ्तार कर लिया। अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया। 1 जून को पुलिस ने अशकर को घटनास्थल पर ले जाकर सीन रीक्रिएट कराया। वहां से पीटने वाली छड़ी और लाइटर बरामद हुए। पूछताछ में अशकर ने अपराध कबूल किया। उसने बताया कि तीन महीने पहले ही उसने अर्शीद को मारने का फैसला कर लिया था। पिछले एक महीने से वह बच्चे के साथ हर दिन शारीरिक दुर्व्यवहार कर रहा था। अशकर बच्चे को अपनी और अखिला की जिंदगी में रोड़ा मानता था।

घटना के दिन जब अर्शीद जोर से रो रहा था तो अशकर ने उसके सिर पर घातक वार किया। बच्चे की मौत सुनिश्चित करने के बाद उसने घर साफ किया, सबूत मिटाए और अस्पताल ले गया। अशकर ने कबूल किया कि पहले भी वह बच्चे के मुंह में कपड़ा ठूंस देता था ताकि चीखें न निकलें। पीटने और जलाने वाली वस्तुओं को उसने नहर में फेंक दिया या जला दिया। हत्या से एक महीने पहले अर्शीद के दोनों हाथ टूट गए थे। पड़ोसियों के पूछने पर अशकर ने दावा किया कि बच्चा साइकिल से गिर गया। अखिला ने घायल बच्चे की तस्वीर व्हाट्सएप स्टेटस पर भी पोस्ट की थी। 16 मई को एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर से मुलाकात के दौरान बच्चे के हाथों में प्लास्टर दिखाई दे रहे थे। बाद में पुलिस को घर में वह प्लास्टर लावारिस हालत में मिला।

मां ने नहीं रोका अत्याचार

पुलिस को दिए बयान में अखिला ने स्वीकार किया कि उसे अपने प्रेमी द्वारा बच्चे को हाथों और डंडे से पीटते देखा था, लेकिन उसने कोई विरोध नहीं किया।

बलेंद्र शाह के विवादित बयान के बाद, रबी लामिछाने पहुँचे भारत

भाजपा मुख्यालय में भव्य स्वागत, बदल गये दक्षिण एशिया के समीकरण

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। नेपाल की सत्तारुढ़ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रबी लामिछाने इस समय भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर हैं। यह पिछले साल नेपाल में भ्रष्टाचार के विरोध में जेन जी के आंदोलन के बाद उभरे नए राजनीतिक नेतृत्व की भारत की पहली महत्वपूर्ण उच्चस्तरीय यात्रा है। इसी जनआंदोलन ने नेपाल की पिछली सरकार को सत्ता से बाहर कर प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह के नेतृत्व में नए राजनीतिक दौर की शुरूआत की थी। पूर्व उप प्रधानमंत्री और गृहमंत्री रह चुके लामिछाने ने नई दिल्ली पहुंचते ही भारत के साथ घनिष्ठ आर्थिक और रणनीतिक सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष के रूप में वह भारत यात्रा के दौरान कई उच्चस्तरीय बैठकों में हिस्सा ले रहे हैं और पार्टी सूत्रों के अनुसार उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात हो सकती है। खास बात यह भी है कि यह यात्रा ऐसे संवेदनशील समय में हो रही है जब हाल ही में नेपाली प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की सीमा संबंधी विवादित टिप्पणियों ने भारत नेपाल संबंधों में नई बहस छेड़ दी थी। हालांकि बालेंद्र शाह स्वयं अब तक विदेशी दौरों से दूरी बनाकर घरेलू चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करते रहे हैं, लेकिन लामिछाने की सक्रिय कूटनीतिक पहल यह संकेत दे रही है कि काठमांडू

की नई सत्ता भारत जैसे अपने सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार और पारंपरिक सहयोगी के साथ संबंधों को नई मजबूती देना चाहती है। इसी क्रम में भाजपा मुख्यालय में उनकी भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात हुई, जहां 'नो भाजपा' पहल के अंतर्गत दोनों पक्षों के बीच संगठनात्मक ढांचे, लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं, जनकेंद्रित शासन और भविष्य की राजनीतिक साझेदारी पर व्यापक चर्चा हुई। हम आपको बता दें कि नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में नेपाली प्रतिनिधिमंडल का भव्य स्वागत किया गया। ढोल नगाड़ों और पुष्प वर्षा के बीच लामिछाने का अभिनंदन हुआ। इससे पहले भाजपा महासचिव तरुण चुघ तथा विदेश विभाग प्रमुख विजय चौथाईवाले ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। इस दौरान नेपाली समुदाय के अनेक लोग भी मौजूद रहे। यह दृश्य भारत और नेपाल के बीच जनस्तरीय आत्मीयता का प्रतीक भी माना गया। इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि पहली बार भाजपा और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के बीच औपचारिक रूप से पार्टी से पार्टी के बीच संवाद की शुरूआत हुई है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह पहल केवल संगठनात्मक अनुभव साझा करने तक सीमित नहीं है, बल्कि दक्षिण एशिया की बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों में नई रणनीतिक साझेदारी की भूमिका भी तैयार कर सकती है। विशेष रूप से ऐसे समय में जब नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की प्रस्तावित भारत यात्रा को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है, तब रबी लामिछाने की यह सक्रिय कूटनीतिक पहल काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। सूत्रों के अनुसार वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर सहित कई वरिष्ठ नेताओं से भी मुलाकात कर सकते हैं। हम आपको बता दें कि भाजपा की 'नो भाजपा' यानि 'भाजपा को जानें' पहल का उद्देश्य विदेशी प्रतिनिधियों को पार्टी की ऐतिहासिक यात्रा, राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक चेतना और विकास आधारित राजनीति से परिचित कराना है। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने हाल ही में कहा था कि भाजपा की यात्रा केवल एक राजनीतिक दल के विस्तार की कहानी नहीं, बल्कि राष्ट्रवाद, सेवा, संघर्ष और अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के संकल्प की ऐतिहासिक यात्रा है। ऐसे में नेपाल की नई राजनीतिक शक्ति का भाजपा के साथ सीधा संवाद दोनों देशों के राजनीतिक भविष्य को प्रभावित कर सकता है।

इस पूरी यात्रा के बीच सबसे अधिक चर्चा रबी लामिछाने द्वारा लिखे गए उस विस्तृत लेख की हो रही है जिसमें उन्होंने भारत नेपाल संबंधों को 'विकास कूटनीति' की नई दिशा देने की बात कही है। अपने लेख में लामिछाने ने राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को नेपाल की 'नई राजनीतिक वास्तविकता' बताया है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी पुरानी राजनीतिक कटुताओं और बोझ से मुक्त है तथा भारत के साथ पारदर्शी और विकास केंद्रित संबंध चाहती है। उनका कहना है कि नेपाल और भारत केवल दो देश नहीं, बल्कि साझा सभ्यता के सहभागी हैं। जनकपुर और अयोध्या, पशुपतिनाथ और केदारनाथ, लुंबिनी और बोधगया को जोड़कर उन्होंने सांस्कृतिक एकता का भाव प्रस्तुत किया। लामिछाने के लेख का सबसे महत्वपूर्ण पहलू उसका आर्थिक और सामरिक दृष्टिकोण है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि नेपाल अब केवल सीमाएं जोड़ने की बात नहीं करता, बल्कि आर्थिक तंत्र जोड़ने की बात करता है। उन्होंने रक्सौल काठमांडू रेल परियोजना, डिजिटल गलियारा, ऊर्जा बाजार, पर्यटन सर्किट और सीमा पार डिजिटल भुगतान प्रणाली जैसे प्रस्ताव रखे। उनका यह दृष्टिकोण बताता है कि नई नेपाली राजनीति भारत के साथ वैचारिक टकराव की बजाय आर्थिक परस्पर निर्भरता को प्राथमिकता देना चाहती है। यह भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति के अनुकूल भी दिखाई देता है।

संपादक की कलम से

एक ग्रीष्मकालीन पुनर्लेखन: छात्रावास, गर्मी और परी- नीट

ललित शर्मा
संपादक

'द अनफॉरगिविंग समर : कैसे भारत का 'री-नीट' संकट, अत्यधिक गर्मी की लहरों एवं भीड़भाड़ वाले हॉस्टलों के साथ मिलकर चल रहा है' भारत में मेडिकल शिक्षा का सपना देखने वाले लाखों छात्रों के लिए नीट केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत, त्याग और उम्मीदों का परिणाम होती है। लेकिन जब परीक्षा प्रणाली में खामियाँ सामने आती हैं और 'री-नीट' की नौबत आती है, तब सबसे बड़ा बोझ उन्हीं छात्रों के कंधों पर आ पड़ता है, जिन्होंने ईमानदारी से अपनी तैयारी की होती है। इस वर्ष का री-नीट संकट केवल परीक्षा संबंधी विवाद नहीं है, बल्कि यह देश की भीषण गर्मी, छात्रावासों की बदहाल स्थिति और छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा एक गंभीर सामाजिक मुद्दा बन गया है। जून की तपती दोपहरों में, जब देश के अनेक हिस्सों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच रहा है, लाखों छात्र एक बार फिर पुस्तकों और कोचिंग संस्थानों की ओर लौटने को मजबूर हैं। जिन छात्रों ने परीक्षा के बाद राहत की सांस ली थी, वे अब फिर से उसी तनावपूर्ण चक्र में फंस गए हैं। यह स्थिति केवल शैक्षणिक चुनौती नहीं, बल्कि धैर्य और सहनशक्ति की भी परीक्षा है। री-नीट की घोषणा के बाद हजारों छात्रों को अपने घरों से वापस कोचिंग नगरों और छात्रावासों में लौटना पड़ा। कोटा, पटना, दिल्ली, लखनऊ और अन्य शिक्षा केंद्रों के हॉस्टल पहले से ही छात्रों से भरे हुए हैं। कई छात्रावासों में सीमित जगह, अपर्याप्त वेंटिलेशन और बुनियादी सुविधाओं की कमी एक सामान्य समस्या है। गर्मियों के मौसम में यह स्थिति और भी कठिन हो जाती है। छोटे-छोटे कमरों में कई छात्रों का रहना, बिजली कटौती, पानी की कमी और लगातार बढ़ती गर्मी उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। गर्मी की लहरें अब केवल असुविधा का विषय नहीं रह गई हैं; वे एक सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का रूप ले चुकी हैं। लंबे समय तक अत्यधिक तापमान के संपर्क में रहने से थकान, निर्जलीकरण, चक्कर आना और हीट स्ट्रोक जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। ऐसे में परीक्षा केंद्रों तक पहुंचना, घंटों तक परीक्षा देना और फिर वापस लौटना छात्रों के लिए अतिरिक्त चुनौती बन जाता है। यदि परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पेयजल, शीतलन व्यवस्था और चिकित्सा सहायता उपलब्ध न हो, तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। इस संकट का सबसे गहरा प्रभाव छात्रों की मानसिक स्थिति पर पड़ रहा है। एक बार परीक्षा देने के बाद अधिकांश छात्र मानसिक रूप से अगले चरण के लिए तैयार हो चुके थे। कुछ ने छुट्टियों की योजना बनाई थी, जबकि अन्य ने प्रवेश प्रक्रिया की प्रतीक्षा शुरू कर दी थी। अचानक पुनः परीक्षा की घोषणा ने उनकी योजनाओं को अस्त-व्यस्त कर दिया। कई छात्र निराशा, चिंता और असुरक्षा की भावना से जूझ रहे हैं। उन्हें यह महसूस होता है कि परीक्षा प्रणाली की कमियों का खामियाजा उन्हें अपनी मेहनत और मानसिक शांति के रूप में भुगतना पड़ रहा है। री-नीट का यह विवाद भारतीय परीक्षा प्रणाली में विश्वास के संकट को भी उजागर करता है। जब राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा की निष्पक्षता पर प्रश्न उठते हैं, तो इसका प्रभाव केवल परिणामों तक सीमित नहीं रहता। यह छात्रों, अभिभावकों और समाज के उस भरोसे को भी प्रभावित करता है, जो शिक्षा व्यवस्था की नींव है। यदि छात्रों को यह विश्वास न रहे कि उनकी मेहनत का मूल्यांकन निष्पक्ष रूप से होगा, तो पूरी व्यवस्था की विश्वसनीयता पर

खामोशी की कीमत: सच बोलने वालों का सुनियोजित दमन

एन0के0शर्मा
लेखक

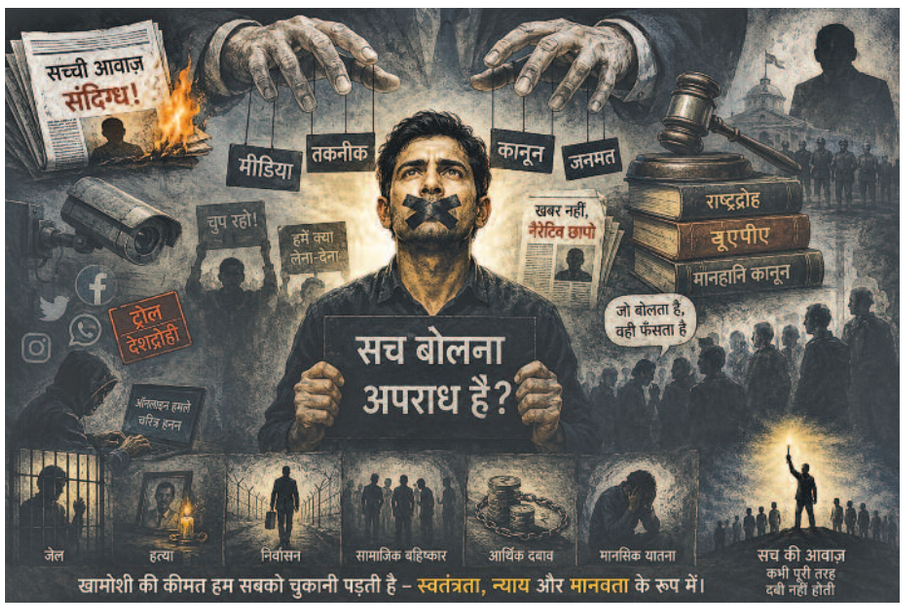

खामोशी की कीमत हमेशा सिर्फ शब्दों की अनुपस्थिति नहीं होती, बल्कि यह एक सुनियोजित संरचना का परिणाम होती है—एक ऐसी व्यवस्था, जहाँ सच बोलना साहस नहीं, अपराध बना दिया जाता है। इतिहास गवाह है कि जब-जब समाज ने अपने भीतर उठती सच्ची आवाजों को दबाया है, तब-तब सभ्यताओं ने भीतर से सड़ना शुरू किया है। यह दमन कभी प्रत्यक्ष होता है—जेल, हत्या, निर्वासन के रूप में—तो कभी अत्यंत सूक्ष्म, जहाँ व्यक्ति को सामाजिक बहिष्कार, आर्थिक दबाव और मानसिक यातना के माध्यम से चुप करा दिया जाता है।

आज के तथाकथित आधुनिक और लोकतांत्रिक युग में भी यह प्रवृत्ति समाप्त नहीं हुई, बल्कि और अधिक परिष्कृत हो गई है। अब सत्ता को अपने विरोधियों को चुप कराने के लिए केवल लाठियों और गोलियों की आवश्यकता नहीं होती; वह मीडिया, तकनीक, कानून और जनमत को अपने पक्ष में मोड़कर एक ऐसा वातावरण निर्मित करती है जहाँ सच बोलने वाला व्यक्ति स्वतः ही संदिग्ध, देशद्रोही या अराजक तत्व के रूप में प्रस्तुत कर दिया जाता है। यह एक मनोवैज्ञानिक युद्ध है, जिसमें लक्ष्य व्यक्ति की आवाज नहीं, बल्कि उसकी विश्वसनीयता को समाप्त करना होता है।

सवाल यह नहीं है कि सच बोलने वालों को दबाया क्यों जाता है, बल्कि यह है कि सत्ता को उनसे इतना भय क्यों होता है। दरअसल, सच में वह शक्ति होती है जो सबसे मजबूत ढांचों को भी हिला सकती है। यह सत्ता की बनाई हुई कृत्रिम वास्तविकता को तोड़ देता है और जनता को सोचने के लिए मजबूर करता है। इसलिए, हर वह व्यक्ति जो स्थापित नैरेटिव के खिलाफ खड़ा होता है, वह केवल एक व्यक्ति नहीं रहता—वह एक संभावित परिवर्तन का प्रतीक बन जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देखें तो यह प्रवृत्ति किसी एक देश या शासन प्रणाली तक सीमित नहीं है। चाहे वह विकसित लोकतंत्र हों या तानाशाही व्यवस्थाएँ—हर जगह सच बोलने वालों के खिलाफ किसी न किसी रूप में दमन मौजूद है। कहीं पत्रकारों की हत्या होती है, कहीं व्हिसलब्लोअर्स को देशद्रोही घोषित कर दिया जाता है, तो कहीं सामाजिक कार्यकर्ताओं को वर्षों तक कानूनी उलझनों में फँसाकर उनकी ऊर्जा और संसाधनों को समाप्त कर दिया जाता है। यह सब एक व्यापक रणनीति का हिस्सा है—एक ऐसा तंत्र, जो असहमति को खतरे के रूप में देखता है, न कि लोकतंत्र के अनिवार्य तत्व के रूप में।

लेकिन इस पूरे परिदृश्य का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि समाज धीरे-धीरे इस दमन को सामान्य मानने लगा है। जब लोग यह सोचने लगते हैं कि 'हमें क्या लेना-देना' या 'जो बोलता है, वही फँसता है,' तब खामोशी एक व्यक्तिगत विकल्प नहीं रह जाती, बल्कि सामूहिक मानसिकता बन जाती है। यही वह बिंदु है जहाँ सत्ता का दमन सबसे सफल हो जाता है—जब उसे विरोध को कुचलने के लिए संघर्ष नहीं करना पड़ता, क्योंकि विरोध स्वतः ही समाप्त हो चुका होता है।

खामोशी की यह कीमत केवल उन लोगों तक सीमित नहीं रहती जो सच बोलते हैं। इसका प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है। जब सच बोलने वालों को चुप करा दिया जाता है, तब झूठ को बिना किसी चुनौती के फैलने का अवसर मिलता है। निर्णय गलत आधारों पर लिए जाते हैं, नीतियाँ जनहित के बजाय सत्ता हित में बनती हैं, और धीरे-धीरे पूरा तंत्र अपनी मूल उद्देश्य से भटक जाता है।

इस संदर्भ में यह समझना आवश्यक है कि खामोशी कभी निष्पक्ष नहीं होती। यह हमेशा किसी न किसी पक्ष का समर्थन करती है—और अधिकतर मामलों में यह शक्तिशाली के पक्ष में होती है। इसलिए, जब कोई व्यक्ति सच बोलने से बचता है, तो वह अनजाने में उस दमनकारी संरचना को और मजबूत कर रहा होता है, जो अंततः उसी के अधिकारों और स्वतंत्रता को भी सीमित कर सकती है। फिर भी, इतिहास यह भी सिखाता है कि हर दौर में कुछ लोग ऐसे होते हैं जो इस खामोशी को तोड़ने का साहस करते हैं।

वे जानते हैं कि इसकी कीमत उन्हें चुकानी पड़ेगी—कभी अपने करियर से, कभी अपनी प्रतिष्ठा से, और कभी-कभी अपने जीवन से भी। लेकिन उनका यह साहस ही समाज को आगे बढ़ने की दिशा देता है। वे उस अंधेरे में एक छोटी सी रोशनी की तरह होते हैं, जो यह याद दिलाती है कि सच को पूरी तरह दबाया नहीं जा सकता।

आज आवश्यकता इस बात की है कि समाज इस खामोशी की वास्तविक कीमत को समझे। यह केवल व्यक्तिगत सुरक्षा या सुविधा का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह उस भविष्य का प्रश्न है, जिसमें हम जीना चाहते हैं। यदि सच बोलने वालों को लगातार चुप कराया जाता रहा, तो एक समय ऐसा आएगा जब सच और झूठ के बीच की रेखा ही मिट जाएगी—और तब कोई भी सुरक्षित नहीं रहेगा। खामोशी का यह षड्यंत्र जितना बाहर है, उतना ही हमारे भीतर भी है।

यह हमारे डर, हमारी सुविधा और हमारी निष्क्रियता से पोषित होता है। इसे तोड़ने के लिए केवल साहस ही नहीं, बल्कि सामूहिक चेतना की आवश्यकता है—एक ऐसी चेतना, जो यह समझे कि असहमति कोई अपराध नहीं, बल्कि एक स्वस्थ समाज की नींव है।

अंततः, सवाल यह नहीं है कि सच बोलने वालों को कितनी कीमत चुकानी पड़ती है। असली सवाल यह है कि खामोश रहने की कीमत हम सबको मिलकर कितनी चुकानी पड़ेगी। और इतिहास के हर पन्ने पर इसका उत्तर स्पष्ट रूप से लिखा है—जब समाज खामोश होता है, तब केवल आवाजें नहीं मरतीं, बल्कि स्वतंत्रता, न्याय और मानवता भी धीरे-धीरे दम तोड़ने लगती हैं।

झुकता वही है जिसे रिश्तों की परवाह होती है, अहंकार नहीं अपनापन रिश्तों को बचाता है

किशन भावनानीं
लेखक

वैश्विक स्तरपर हमने कई बार अनेक मुल्कों के बारे में सुने हैं कि दुनिया भर से बेज्जती होने के बाद भी झुकता नहीं, यूक्रेन रूस युद्ध में भी हम सुनते हैं कि इतने महीनों से युद्ध चल रहा है पर कोई झुकने के लिए तैयार नहीं, वैसे ही वैश्विक नेताओं, पार्टियों सहित हाई लेवल स्तरपर भी हमें सुनाई देता है कि कोई झुकने के लिए तैयार नहीं!! परंतु यदि हम भारतीय संस्कृति की बात करें तो हमें पीढ़ियों से सिखाया गया है कि थोड़ा झुककर चलो। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि बड़े बुजुर्गों के दायरे दायरे में अदब से चलेनें झुकने से यदि किसी का भला होता है तो झुकना ही बेहतर है, ऐसे सकारात्मक विचार हम भारतीयों के हैं, जिसे देखकर दुनिया भी भारत को अमूल्य संस्कृति का धनी मानती है। इसी संस्कृति को ध्यान में रखते हुए किसी ने बहुत सुंदर ही लिखा है, झुकता वही है, जिसमें रिश्तो की फिक्र होती है। थोड़ा झुकने से अगर रिश्ता टूटने से बचता है तो झुकना ही बेहतर है, बिल्कुल सही विचार है। क्योंकि झुकने से नुकसान से कई गुना अधिक फायदा है। इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से इसपर चर्चा करेंगे कि मनमुटाव, झगड़ा, भेदभाव, परेशानी कलह इत्यादि परेशानियों का सबसे सटीक हल झुकना है। साथियों बात अगर हम मनुष्य के जीवन में रिश्तों की करें तो, मनुष्य जीवन रिश्तों से जुड़ा हुआ है। रिश्तों के कारण ही मनुष्य जीवन में आगे बढ़ने की, सफलता पाने की, शिक्षित होने की, कार्य करने की इच्छा रखता है। यदि रिश्ते मधुर हों तो जीवन सुखमय व खुशहाल बन जाता है, किंतु रिश्तों में खटास आते ही व्यक्ति भी टूट जाता है। रिश्ता आखिर बिगड़ता क्यों है? इसके पीछे व्यक्ति का अहं, सोच व उसका व्यवहार ही जिम्मेदार होता है। एक विशेषज्ञ का मानना है कि मानना है कि रिश्तों को बिगाड़ने में 50फीसदी से ज्यादा कारण असंयमित भाषा अकड़ और झुकने से इनकार होता है। अध्यात्म और शांति के साथ कार्य करने वाले व्यक्तियों के रिश्ते बेहद सफल होते हैं। रिश्ते निभाना झुकना भी समझौतों का ही दूसरा नाम है। रिश्ते केवल खून के ही नहीं होते, भावनात्मक भी होते हैं। कई बार भावनात्मक रिश्ते अटूट बन जाते हैं, क्योंकि उनमें प्रेम, सामंजस्य, धैर्य, ईमानदारी का साथ होता है। इसलिए इन्हें निभाने के लिए झुकना सबसे सटीक मंत्र है। साथियों बात अगर हम व्यस्त जिंदगी में रिश्ते बचाने के लिए झुकने के अस्त्र की करें तो, आजकल जिंदगी बहुत ही व्यस्त हो गईं हैं। हर इंसान जैसे भाग रहा हैं, सभी में एक दूसरे को पीछे छोड़ने की होड़ सी लगी हुई हैं। माना समय बदल गया है, लोग शिक्षित हुए हैं, सुख सुविधाओं का विकास हुआ है, उच्च स्तरीय रहन सहन का स्तर बढ़ा है परंतु हम आज कही ना कही अपने रिश्तों की अहमियत खोते जा रहे हैं। अब तो रिश्ते एक दिखावा बनकर रह गए हैं, रिश्तों में प्यार, लगाव लगभग खत्म हो गया है इसका एक मुख्य कारण एकाकी परिवार और झुकने की भावना का अभाव का होना भी है। संयुक्त परिवार अब कम ही रह गए हैं, जो रिश्तेदारों से घर भरे रहते थे वो अब खाली हो गए हैं और अकड़ में बेतहाशा वृद्धि हुई है। पहले रिश्तों में जो आपसी जुड़ाव था वो अब मात्र औपचारिक हो गया है। काम की तलाश में, पैसा कमाने की होड़ में हम अपने कीमती रिश्तों को भुला रहे हैं यह सही नहीं है। अब तो माँ-बाप का रिश्ता भी एक बोझ लगने लगा है बच्चे उन्हें छोड़कर दूसरे शहरों में या विदेशों में रहने लगे हैं। रिश्तों में सहनशक्ति झुकने की प्रथा खत्म हो गई हैं हर कोई सिर्फ खुद में ही खुश रहना पसंद करते हैं। प्रगति के दौर की यह एक बड़ी चुनौती है जिसे सुलझाने की कोशिश सभी को करनी चाहिए।

साथियों इसका कारण है आवश्यकताएं बढ़ना। तृष्णा बढ़ना, भोग की अभिलाषा बढ़ना। व्यक्ति की आवश्यकता बढ़ती है तो लोभ बढ़ता है। लोभ बढ़ता है तो व्यक्ति दूसरों से चाहने की उम्मीद करता है। आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये जी तोड़ मेहनत करता है और रिश्तों के लिये समय नही दे पाता है। अपने मे ही आवश्यकताओं के उपभोग की सोचता है। इसलिये एकल परिवार को प्राथमिकता दे देता है, किसी भी बात पर झुकने के लिए तैयार नहीं होता इस तरह अपने ही लोगों के स्नेह से दूर हो जाता है। ग्रामों में लोगों की आवश्यकता कम थी तो उनके पास लोगों से मिलने के लिये समय था। अब आवश्यकता बढ़ गई तो मिलने के लिये समय कम हो गया। परिवारों में जब से पैसे बढे है भौतिकता आ गई तथा परिवार छोटे होने के साथ ही रिश्तों में भी दूरी आ गई। पहले परिवार बड़े थे तो रिश्ते भी होते चाचा, ताऊ, मौसी भी होते थे तो झुकने का गुण भी स्वाभाविक रूप से रहता था अब जब परिवार में एक या दो ही बच्चे होंगे तो बच्चा परिवार की ऐमियात किस प्रकार जानेगा। उसके लिये उसके दोस्त ही परिवार होंगे। साथियों बात अगर हम लड़ाई झगड़े, आपसी मतभेद मिटाने के अस्त्र की करें तो झुकना सबको प्रेम प्रगाढ़ करने का सटीक मंत्र है। लड़ाई झगड़ा खत्म करने का सबसे बढ़िया तरीका है, झुकना और चुपचाप हो जाना बेहतर तरीका है लड़ाई झगड़ा खत्म कर देने का क्योंकि जितना हम शब्द बाण चलाएंगे उतना ही वाद विवाद को बढ़ावा देंगे क्योंकि यह आग में घी डालने का काम करता है जिससे आग भड़कती ही है ! मौन होकर उस स्थान से दूर चले जाएं या झुक जाएं, अपने कार्य में संलग्न हो जाए जिससे कि आपका दिमाग वहां से हटकर मूड फ्रेश करने में मदद करेगा एवं तनाव खत्म हो जाएगा निश्चित ही आजमाया हुआ फामूर्ला ?अक्सर लड़ाई व झगड़े आपसी मतभेद के कारण होते हैं, जो ज्यादातर अस्थायी भावों से उत्पन्न होते हैं। जिसके कारण एक छोटी सी बात की वजह से जिंदगी भर दो व्यक्तियों के रिश्तों में खटास पड़ जाती है और कुछ लोगों के लिए यह इतना बढ़ जाती है कि वे एक दूसरे को खो देते हैं। लड़ाई एवं झगड़ा खत्म करने का सबसे सही तरीका है कि जब आपको लगे की आपके और सामने वाले में मतभेद इस हद तक बढ़ गया है कि सामने वाला आपकी बात तक नही सुन रहा है, तब आप झुक जाए या चुपचाप उससे बात करना बंद कर दें और परिस्थिति के हिसाब से कुछ दिन या कुछ घण्टे बाद उससे बात करें। गलती न होते हुए भी उससे माफी मांग ले व उसे बताये की वह आपके लिए कितना महत्वपूर्ण है। कुछ उदहारण देकर उसे समझाये की मतभेद का हल लड़ाई झगड़े से नही बल्कि शांति से बात करने से होगा। लड़ाई झगड़े के परिणामों का आंकलन करके उसको बताएं। उम्मीद है कि ऐसा करने से लड़ाई खत्म हो जाये। अगर इतना करने पर भी सामने वाला लड़ने पर उतारू हो , तो हाथ जोड़कर चुपचाप झुक जाएं उससे दूर हो जायें। क्योंकि कुछ लोग जिंदगी भर सिर्फ अपने बारे में सोचते है दूसरा चाहे भाड़ में जाये, मौका आने पर वे एक तुच्छ सी वस्तु या बात की आड़ में आपको धोखा देने में ही खुद को पीछे नही रखेंगे। साथियों घर के सदस्यों को हम बताएं कि जिस घर में लड़ाई-झगड़े होते हैं उस घर में लक्ष्मी जी नहीं आतीं। आ भी जाएं तो ज्यादा दिन नहीं टिकतीं। अगर हमारे घर वाले घर में निर्धनता चाहते हैं तो हम उन्हें समझा कर सही रास्ते पर लाएं। हमर भी प्रयास करें कि जब झगड़ा हो तो हम झुकें और चुप रहें। झगड़े को बढ़ावा न दें। घर में कलह न हो इसके कुछ उपाय करें कि, अगर गलत हो तो अपनी गलती मानों और झुक जाओ, अगर नहीं भी गलत हो तो चुप रहो क्योंकि अगर एक इंसान बोल रहा है तो दूसरे के चुप रहने में ही भलाई है। फालतू बातों को दिल से ना लगाएं, बिना बात के मुद्दे ना बनाए, एक दूसरों की कमियों को नजर अंदाज करें और अच्छाइयों को बढ़ावा दे तो कलह होने के चांस ना के बराबर हो जाते है, तो अगर कलह से छुटकारा पाना है तो शांत रहना तो हम झुकना सीखें।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे दौरान का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि गारी ही से उपजै, कलह कष्ट औ मीच। हारि चले सो सन्त है, लागि मरै सो नीच। झुकता वही है जिसमें रिश्तो की फि क्र होती है। थोड़ा झुकने से अगर रिश्ता टूटने से बचता है तो झुकना ही बेहतर है सराहनीय विचार है।

चुप्पी तोड़

उदय किशोर साह

कविता

कब तलक मौन रहोगे दिल्ली
गद्दारों की लग गई कतार
कब आखें खोलोगे साईं
जयचन्दों की लगी है दरबार

कब तलक मौन रहोगे दिल्ली
देश में पल रहे दुश्मन परिवार
कब आखें खोलोगे साईं
देश में खुली खतरों की बाजार

कब तलक मौन रहोगे दिल्ली
देश द्रोही की चमकी तलवार
कब अँखें खोलागे साईं
दुश्मन करने लगा है तकरार

कब तलक मौन रहोगे दिल्ली
पड़ोस में हे जालिम सरकार
कब अंखें खोलोगे साईं
हो जाने दो एक बार आर पार

कब तलक मौन रहोगे दिल्ली
पी ओ के रो रही है जार जार
अब तो आँखें खोलो साईं
नजारा देखों मौसम है खुशगवार

पेपर लीक की आड़ में डिजिटल शिक्षा पर अंजना का 'दो कौड़ी' तंज

प्रो. आरके जैन
लेखक

भारतीय शिक्षा जगत में यह शायद ही पहले कभी देखने को मिला हो कि एक टीवी स्टूडियो में कही गई टिप्पणी इतनी तेजी से राष्ट्रीय बहस का विषय बन जाए। लेकिन जब वरिष्ठ एंकर अंजना ओम कश्यप ने नीट पेपर लीक पर चर्चा के दौरान यूट्यूब शिक्षकों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 'एक्सप्लेनर बनाते हैं, जानते कुछ नहीं' और उन्हें 'दो कौड़ी के यूट्यूब गुरु' तक कह दिया, तो यह सिर्फ एक टीवी बहस नहीं रही। यह बयान देखते ही देखते 'ब्लैकबोर्ड पर ब्रेकिंग न्यूज' बन गया। वास्तव में, यह डिजिटल शिक्षा की बढ़ती ताकत के सामने मुख्यधारा मीडिया की असहजता को उजागर करता है। अंजना का यह हमला तथ्यों से अधिक पूर्वाग्रह का प्रतीक प्रतीत होता है।

जब लाखों छात्रों का भरोसा किसी मंच से जुड़ जाए, तो उस पर उठी उंगली केवल व्यक्तियों पर नहीं, पूरी व्यवस्था पर सवाल बन जाती है। अंजना ओम कश्यप की इस टिप्पणी को खान सर, अभिनय शर्मा जैसे लोकप्रिय यूट्यूब शिक्षकों पर भी लागू माना गया। उन्होंने कुछ डिजिटल शिक्षकों को 'बड़ा फ्रॉड' तक कह दिया। यह टिप्पणी ऐसे समय आई, जब लाखों छात्र ऑनलाइन शिक्षा के सहारे अपने सपने संवार रहे हैं। इसलिए इसे केवल कुछ शिक्षकों पर नहीं, बल्कि पूरे डिजिटल शिक्षा जगत की साख पर प्रहार माना गया। सवाल है, क्या यह आलोचना तथ्यों पर आधारित है या महज सुर्खियाँ बटोरने की कोशिश? क्या कुछ अपवादों के आधार पर पूरे समुदाय को कटघरे में खड़ा करना उचित है? शोर और आरोपों से परे, किसी भी व्यवस्था का मूल्यांकन उसके परिणामों से होता है। पिछले एक दशक में यूट्यूब आधारित शिक्षा ने लाखों छात्रों तक ज्ञान पहुँचाया, जिनकी पहुँच महंगी कोचिंग तक नहीं थी। खान सर और अभिनय शर्मा जैसे शिक्षकों ने दूर-दराज क्षेत्रों के युवाओं को अवसर, मार्गदर्शन और आत्मविश्वास दिया। इनके पक्ष में सबसे बड़ा प्रमाण लाखों सफल छात्र हैं। यदि ये 'कुछ नहीं जानते', तो यह सफलता कैसे संभव हुई? हालाँकि कुछ अपवाद हो सकते हैं, लेकिन उनसे पूरे योगदान को नकारा नहीं जा सकता। अंजना जी, यह आरोप केवल शिक्षकों पर नहीं, उनके समर्पण और मेहनत पर भी सवाल उठाता है। जब दुनिया थम-सी गई थी और शिक्षा के पारंपरिक रास्ते बंद हो गए थे, तब डिजिटल मंचों ने सीखने की लौ बुझने नहीं दी। कोविड महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षक लाखों विद्यार्थियों के लिए सहारा बने। स्कूलों और कक्षाओं के बंद रहने पर मोबाइल और इंटरनेट के जरिए शिक्षा घर-घर पहुँची। जहाँ कई कोचिंग संस्थानों की फीस लाखों रुपये तक है, वहीं अनेक यूट्यूब शिक्षक मुफ्त या कम लागत पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देते रहे। डिजिटल प्लेटफॉर्म ने शिक्षा को सीमित दायरों से निकालकर आम लोगों तक पहुँचाया है। ऐसे योगदान को अनदेखा कर पूरे समुदाय को फ्रॉड बताना न केवल अनुचित, बल्कि एकतरफा दृष्टिकोण भी है। हालाँकि कुछ चैनलों में क्लिकबेट, भ्रामक थंबनेल और पेड कोर्स की आक्रामक मार्केटिंग जैसी समस्याएँ भी मौजूद हैं। विवाद के बीच शिक्षकों की प्रतिक्रिया ने अंजना के आरोपों पर नए सवाल खड़े कर दिए। अभिनय सर और खान सर जैसे शिक्षकों ने कहा कि उनका काम छात्रों का भविष्य संवारना है, न कि सनसनी फैलाना। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई उन्हें ज्ञानहीन सिद्ध कर दे, तो वे सीखने को तैयार हैं, लेकिन निराधार आरोप स्वीकार्य नहीं हैं। दूसरी ओर, सोशल मीडिया पर छात्रों ने भी खुलकर उनका समर्थन किया। हजारों प्रतिक्रियाओं में छात्रों ने बताया कि इन शिक्षकों ने शिक्षा को महंगी दायरों से निकालकर आम लोगों तक पहुंचाया है। ऐसे में 'दो कौड़ी' जैसी टिप्पणी केवल शिक्षकों पर नहीं, बल्कि उन लाखों छात्रों और परिवारों के विश्वास पर भी चोट करती है, जो उन्हें अपना मार्गदर्शक मानते हैं। इस प्रकरण ने मुख्यधारा मीडिया की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े किए हैं। जब यूट्यूब शिक्षक नीट लीक, सीबीएसई विवादों और शिक्षा व्यवस्था की खामियों पर आवाज उठाते हैं, तो उन्हें फ्रॉड कहकर खारिज कर दिया जाता है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या टीवी एंकर हर विषय के अंतिम विशेषज्ञ हैं? यदि डिजिटल मंचों की विश्वसनीयता पर संदेह किया जाता है, तो टीआरपी-केंद्रित बहसों की निष्पक्षता भी जांच के दायरे में आनी चाहिए। अंजना ओम कश्यप का बयान इसी विरोधाभास को उजागर करता है। एक ओर डिजिटल शिक्षक शिक्षा की पहुंच बढ़ा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उनके योगदान पर संदेह जताया जा रहा है। डिजिटल शिक्षा जगत भी कमियों से पूरी तरह अछूता नहीं है। कुछ यूट्यूब चैनलों पर क्लिकबेट और भ्रामक जानकारी की समस्या मौजूद है, जिसकी आलोचना और जवाबदेही आवश्यक है। कुछ टीचर्स पर पेपर लीक या गलत मार्गदर्शन के आरोप भी लगते रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

127 विधानसभा पीलीभीत मौर्य बैंकट हाल में हुआ अधिवक्ताओं का सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजन

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। आज 127 विधानसभा पीलीभीत के ग्राम चंदोई मौर्य बैंकट हाल में समाजवादी पार्टी अधिवक्ता सभा का सम्मान समारोह सतेंद्र मौर्य जी प्रदेश सचिव पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ समाजवादी पार्टी द्वारा किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जगदेव सिंह जगा जिलाध्यक्ष समाजवादी पार्टी पीलीभीत और कार्यक्रम की अध्यक्षता ज्योति प्रकाश शुक्ला जिलाध्यक्ष अधिवक्ता सभा जी ने की जिसमें मंच उपस्थित हाजी इम्तियाज अल्वी विधानसभा सभा अध्यक्ष 127 पीलीभीत, शिशिर यादव जी,आशीष कुमार जी, जुही खान जी,प्रशांत यादव जी पूर्व जिलाध्यक्ष अधिवक्तासभा, शराफत यार खा जी,मनोरमा जी आदि और साथ ही राजीव यादव, रामू पांडे, माखन लाल सैनी, रोहतास कुमार सिंह, भगवान सरन यादव जी, मोर ध्वज लोधी जी, संजीव कुमार वर्मा जी, अखिलेश कुमार जी, गिरजा शंकर शर्मा, मोहना लाल कश्यप जी, अनिल कुशवाहा जी, मुजाहिद अली जी, सौरभ पाठक जी, संदीप सक्सेना जी, मो0मुनीफ, गोविंद पांडे जी, विकास रस्तोगी जी,राजेश कुमार गंगवार जी, कामिल जमील ,कायम खान, संजीव कुमार वर्मा जी , शोभा राम वर्मा जी, उमा शंकर मौर्य, छत्रपाल जी, इस्तीहाक अहमद जी,

मोहम्मद नवीं अंसारी जी, जावेद अख्तर जी, नदीम खान जी, हंसनेन मालिक जी, मोहम्मद मोइन यार खा जी कामरान जी, साजिद खा, कालिम खा, सारिक अंसारी, कासिफ जी राशिद जी, दीपक कश्यप जी, अशोक सैनी जी, राहुल कश्यप जी आदि सम्मानित वरिष्ट अधिवक्ता लोग उपस्थित हुए सभी अधिवक्ताओं का स्वागत सतेंद्र मौर्य द्वारा फूल मालाओं से किया गया अपने विचार रखते हुए मुख्य जगदेव सिंह जगा जी ने कहा आज समाजवादी पार्टी हर वर्ग समाज के हक अधिकार और संविधान बचाने की लड़ाई जमीन स्तर पर लड़ रही है।

जिसमें सबसे बड़ा योगदान अधिवक्ताओं का है साथ ही कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ज्योति प्रकाश शुक्ला एडवोकेट जिलाध्यक्ष अधिवक्ता सभा जी ने कहा कि हमारी अधिवक्ता सभा लोगों को न्याय दिलाने से 2027 में समाजवादी पार्टी सरकार बनने तक पूरे जिले अधिवक्ता बूथ से लेकर जिले स्तर तक समाजवादी पार्टी के साथ पूरी तरह से 24 घंटे खड़ी है और कार्यक्रम के आयोजक सतेन्द्र मौर्य जी ने कहा अधिवक्ता लोगों को न्याय हक अधिकार दिलाने के साथ सरकार बनाने में मुख्य भूमिका होती है।

और कार्यक्रम का संचालन आशीष कुमार उपाध्यक्ष अधिवक्ता सभा जी किया साथ आयोजक सतेंद्र मौर्य जी ने सभी सम्मानित वरिष्ट अधिवक्ताओं तह दिल से धन्यबाद आभार व्यक्त किया साथ ही कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में सम्मानित अधिवक्ता शामिल हुए।

जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट के सभी पटलों का किया औचक निरीक्षण

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद की जिलाधिकारी कविता मीना के द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर के सभी कार्यालय पटल का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी के द्वारा नजारत अनुभाग, अभियोजन कार्यालय, रिकॉर्ड रूम, सी आर ए एवं अन्य पटलो पर पहुंचकर संबंधित अधिकारियों से कार्य प्रणाली की जानकारी प्राप्त की गई। जिलाधिकारी ने उपस्थिति पंजीका एवं साफ सफाई ठीक ना पाए जाने पर नजारत नाजिर को तुरंत कार्यालय पटलों पर साफ सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने रिकॉर्ड रूम में शासनादेश अपडेट ना होने पर संबंधित को फटकार लगाई। जिलाधिकारी ने कहा कि फायर फाइटिंग की व्यवस्था दुरुस्त होनी चाहिए।

जिन व्यक्तियों के (पीएनजी) कनेक्शन उपलब्ध है और घरेलू एलपीजी कनेक्शन भी है, वे एलपीजी कनेक्शन नहीं रख सकेंगे

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। जिला पूर्ति अधिकारी विकास कुमार द्वारा सार्वजनिक जानकारी में बताया द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (आपूर्ति एवं वितरण विनियमन) आदेश, 2000, जिसे 14 मार्च 2026 को संशोधित किया गया है, के अनुसार जिन व्यक्तियों के पास पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन उपलब्ध है तथा साथ ही घरेलू एलपीजी कनेक्शन भी है, वे घरेलू एलपीजी कनेक्शन बनाए नहीं रख सकेंगे और न ही किसी सरकारी तेल कम्पनी अथवा उसके वितरक से घरेलू एलपीजी सिलेंडर की रीफिल प्राप्त कर सकेंगे।

ऐसे व्यक्तियों को तत्काल अपना घरेलू एलपी0जी कनेक्शन समर्पित (सरेण्डर) करना होगा। उक्त के अतिरिक्त प्राकृतिक गैस एवं पेट्रोलियम उत्पाद वितरण (पाइपलाइन तथा अन्य सुविधाओं के बिछाने, निर्माण, संचालन एवं विस्तार) आदेश, 2026, जिसे 04 मई 2026 को संशोधित किया गया है, के अनुसार जब अधिकृत संस्था किसी परिवार को घरेलू पाइप्ड नेचुरल गैस उपभोक्ता बनने की सूचना जारी करती है, तो उस सूचना की तिथि से तीन माह पश्चात सम्बन्धित पते पर एलपीजी की आपूर्ति बंद कर दी जाएगी।

जनपद में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) नेटवर्क विकसित करने वाली अधिकृत संस्था से प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर पीलीभीत में 14 कॉलोनियों- वसुंधरा कॉलोनी, राम वाटिका कॉलोनी, राजीव कालोनी बल्लभनगर कालोनी, राजाबाग कालोनी, कृष्ण लोक कालोनी, सुरभि कालोनी, अवधनगर कालोनी, निरंजन कुंज कालोनी, अयोध्यापुरम कालोनी, तिरूपति गोल्डन पार्क कालोनी, संजय रॉयल पार्क, नई बस्ती एवं पकडिया नौगवां में पी0एन0जी0 नेटवर्क का कमीशनिंग कार्य पूर्ण हो चुका है तथा घरेलू पी0एन0जी0 कनेक्शन उपलब्ध है।

उक्त क्षेत्र कालोनियों के घरेलू एलपीजी उपभोक्ता एल0पी0जी0 आपूर्ति बाधित होने एवं असुविधा से बचने हेतु यथाशीघ्र घरेलू पीएनजी उपभोक्ता बनने हेतु आवेदन करें तथा जिन उपभोक्ताओं के पास पहले से पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध है, वह तत्काल अपना एलपीजी कनेक्शन समर्पित कर दें। इसके लिए वे mypnp.in वेबसाइट पर जाकर अथवा अपने एलपीजी वितरक से सम्पर्क कर सकते हैं।

राष्ट्रीय हनुमान दल के प्रिंस भारद्वाज बने जिला महामंत्री

लुकमान खान

पीलीभीत बरखेड़ा(वेलकम इंडिया)। नगर के निवासी प्रिन्स भारद्वाज बजरंगी को हिंदुत्व के प्रति निष्ठा को देखते हुए उनके द्वारा सनातनी समाज के प्रति कई कार्य को देखते हुए राष्ट्रीय हनुमान दल की कोर कमेटी व राष्ट्रीय अध्यक्ष रोहित सिंह हिंदू की अनुशंसा पर आपके संस्कार हिंदू समाज के प्रति श्रद्धा और समाज के प्रति भावना को देखते हुए आपको हनुमान दल में जिला माहमंत्री के पद पर नियुक्त किया गया वहीं जिला अध्यक्ष अमित गुप्ता ने शुभकामनाएं प्रेषित की और कहा कि एक जनपद में हिंदुत्व के नाम से प्रिंस भारद्वाज बजरंगी ने अपनी छवि अलग बनाई है और हमको इनसे पूर्ण उम्मीद व आशा हैं की संगठन को यह काफी मजबूत करेंगे और संगठन के प्रति निष्ठा पूर्वक कार्य करेंगे, वही नवनियुक्त जिला महामंत्री प्रिंस बजरंगी ने राष्ट्रीय स्तर और जिला स्तर का आभार व्यक्त करते हुए कहा संगठन ने जो हमें जिम्मेदारी दिए उसे हमेशा निष्ठा पूर्वक कार्य करूंगा और संगठन को ऊँची ऊंचाइयों पर ले जाऊंगा।

करंट से संविदाकर्मी की मौत, काफी देर मदद न मिलने पर हंगामा

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। कलेक्ट्रेट परिसर में विद्युत लाइन की मरम्मत के दौरान करंट लगने से विद्युत विभाग के संविदाकर्मी विजयपाल की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद घायल कर्मचारी के काफी देर तक मौके पर पड़े रहने और समय पर मदद न मिलने के आरोपों ने प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मरम्मत कार्य के दौरान अचानक करंट लगने से विजयपाल नीचे गिर पड़ा। हादसे के बाद वह गंभीर हालत में करीब काफी देर तक जमीन पर तड़पता रहा। मौके पर मौजूद अन्य संविदा कर्मचारियों ने कलेक्ट्रेट में मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों से मदद की गुहार लगाई, लेकिन तत्काल कोई सहायता नहीं मिल सकी। बताया जाता है कि सूचना मिलने के बाद विद्युत विभाग के जूनियर इंजीनियर (जेई) मौके पर पहुंचे और एंबुलेंस की व्यवस्था कर घायल को मेडिकल कॉलेज से संबद्ध अस्पताल भिजवाया गया। वहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद विजयपाल को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। संविदाकर्मी की मौत के बाद बिजली विभाग के आक्रोशित कर्मचारियों ने हंगामा काटा। कर्मचारियों ने सुरक्षा व्यवस्थाओं और आपातकालीन सहायता प्रणाली पर सवाल उठाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

MY Bharat पीलीभीत द्वारा नेशन फर्स्ट चैलेंज अभियान का शुभारंभ किया गया

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। जनपद युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने एवं 'राष्ट्र प्रथम' की भावना को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से मेरा युवा भारत (माई भारत), पीलीभीत द्वारा नेशन फर्स्ट चैलेंज अभियान का शुभारंभ किया गया।अभियान के अंतर्गत युवाओं को स्वदेशी उत्पादों को अपनाने, ईंधन की बचत, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, घरेलू पर्यटन को प्रोत्साहित करने तथा सतत एवं जिम्मेदार जीवनशैली अपनाने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। जनपद के युवा MY Bharat पोर्टल पर अपनी गतिविधियों के फोटो/वीडियो साझा कर इस जनभागीदारी अभियान का हिस्सा बन सकते हैं। आइए, छोटे-छोटे संकल्पों के माध्यम से विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपना योगदान दें। अधिक जानकारी के लिए जिला युवा अधिकारी से सम्पर्क कर जानकारी करें।

श्री राम संतोष गार्डन मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात को सुना

नितिन शर्मा

नूरपुर(वेलकम इंडिया)। नूरपुर ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम गोहावर स्थित श्री राम सन्तोष गार्डन में इंजीनियर कवीश राणा द्वारा आयोजित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात में मुख्य अतिथि एमएलसी एवं पूर्व मंत्री अशोक कटारिया को इंजीनियर कवीश राणा ने पटका पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। व ब्लॉक प्रमुख आकांक्षा चौहान का पटका पहनाकर स्वागत किया। इसके उपरांत उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम और उनके द्वारा देशहित, सामाजिक जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, युवा सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भर भारत से संबंधित विचारों को सुना।

इस अवसर पर एमएलसी अशोक कटारिया ने कहा कि मन की बात केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि देशवासियों को सकारात्मक सोच और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करने का एक सशक्त माध्यम बन चुका है। प्रधानमंत्री द्वारा समाज के विभिन्न वर्गों की प्रेरणादायक कहानियों को सामने लाने से लोगों में नई ऊर्जा का संचार होता है।

कार्यक्रम के आयोजक इंजीनियर कविश राणा ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से लोगों को देश और समाज से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी मिलती है तथा जनभागीदारी को बढ़ावा मिलता है।

इस दौरान समाजसेवी राशू चौहान, आकाश शास्त्री, गोहावर मंडल अध्यक्ष विनय चौहान, सत्यवीर चौहान, पारुल चौहान, हर्ष शर्मा, मुकेश कुमार, अशोक कुमार, अवधेश, हर्षवर्धन, शैलेंद्र सहित क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

सविता शर्मा बनी जिला महासचिव कांता शर्मा बनी जिला सचिव हापुड अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभारा महिला प्रकोष्ठ

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद में अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा रा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित राजेंद्र नाथ त्रिपाठी जी के आदेश पर पश्चिम प्रदेश अध्यक्ष पंडित विजेंद्र शर्मा जी की सहमति पर जिला अध्यक्ष मोहनी शर्मा महिला प्रकोष्ठ के द्वारा सविता शर्मा को जिला महासचिव हापुड़ महिला प्रकोष्ठ तथा कांता शर्मा जिला सचिव हापुड महिला प्रकोष्ठ नियुक्त किया गया उन दोनों महिला पदाधिकारी से आशा की जाती है कि अपने-अपने जनपद में निष्ठा और लगन के साथ कार्य करेंगे और संगठन को आगे बढ़ाने का कार्य करेंगी अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा रा संगठन इनके उज्जवल भविष्य की कामना करता है कार्यक्रम में उपस्थित पश्चिम प्रदेश अध्यक्ष पंडित विजेंद्र शर्मा पश्चिम प्रदेश सचिव अनुज शर्मा जिला उपाध्यक्ष हापुर संजय शास्त्री जिला प्रवक्ता मुकेश शर्मा जिला उपाध्यक्षहापुड़ महिला प्रकोष्ठ कुमुद शर्मा जिला प्रभारी हापुड़ महिला प्रकोष्ठ ममता शर्मा नगर सचिव हापुड महिला प्रकोष्ठ ओमबती शर्मा जिला संयोजक प्रदीप शर्मा कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

रामगंगा की धारा मोड़ने के विरोध में ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट घेरा

वेलकम इंडिया ब्यूरो

मुरादाबाद। रामगंगा नदी की मुख्य धारा को बलपूर्वक परिवर्तित किए जाने के विरोध में करीब 50 गांवों के ग्रामीणों का गुस्सा थम नहीं रहा है। मंगलवार को ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट का घेराव किया और जिलाधिकारी से मिलकर हस्तक्षेप की मांग उठाई। मंगलवार को अशोक कुमार सिंह के नेतृत्व में चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी से मुलाकात की। प्रार्थना पत्र में बताया गया कि वर्तमान में रामगंगा नदी ग्राम रुस्तमपुर बढ़मार एतमाली से होते हुए नाजरपुर, लोदीपुर, वासु, वीरपुर, वरियार होते हुए कोसी नदी में मिल रही है। फसली वर्ष 1365 में भी नदी का मुख्य बहाव गोवर्धनपुर, नजरपुर, लोदीपुर, वासु, वीरपुर, वरियार से होकर था। ग्रामीणों का आरोप है कि अब रुस्तमपुर बढ़मार एतमाली के रकबे से नदी सीधे लोदीपुर वासु की तरफ बह रही है। रुस्तमपुर बढ़मार के रकबे से सिकंदरपुर पट्टी की तरफ रामगंगा की मुख्य धारा को लोक निर्माण विभाग द्वारा बलपूर्वक मोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

ग्रामीणों ने कहा कि यह न्याोचित और जनहित में नहीं है। प्रतिनिधिमंडल ने चेताया कि धारा मोड़ने से लगभग 50 गांव प्रभावित होंगे। इससे जान माल, फसल, पशुधन की हानि होगी और सरकारी सड़क आदि का भी नुकसान होगा। ग्रामीणों ने मांग की कि रामगंगा नदी की मुख्य धारा को प्राकृतिक रूप से वर्तमान में जहां बह रही है वहीं बहने दिया जाए। जिलाधिकारी ने प्रकरण को गंभीरता से सुना और प्रतिनिधिमंडल को उचित आश्वासन दिया। वार्ता के बाद अशोक कुमार सिंह ने बताया कि डीएम के आश्वासन से ग्रामीण संतुष्ट दिखे। इससे पहले सोमवार को भी भारी संख्या में ग्रामीण डीएम कार्यालय पहुंचे थे। डीएम की अनुपस्थिति में अपर नगर मजिस्ट्रेट माधव उपाध्याय को प्रार्थना पत्र दिया गया था। ग्रामीण उनके आश्वासन से संतुष्ट नहीं थे, इसलिए मंगलवार को फिर डीएम से मिले। इस दौरान अशोक कुमार सिंह, शमीम अहमद, ताहिर हुसैन, शिव नारायण सिंह, चरण सिंह, दिलावर सिंह, मुस्तजाब, रईस अहमद, मोहम्मद ओवैस, तहजीब, फैजान, जीशान, मोहम्मद रफी, सुरेंद्र सिंह, राजवीर सिंह, राजेंद्र सिंह, महेश, जयवीर सिंह, हर ज्ञान सिंह सहित भारी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे।

बाबूगढ़ RSETI केंद्र का CDO श्रुति शर्मा ने किया निरीक्षण, महिला प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद हापुड़ के बाबूगढ़ स्थित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (RSETI) में मुख्य विकास अधिकारी (CDO) सुश्री श्रुति शर्मा ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संस्थान में चल रहे विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का जायजा लिया निरीक्षण के दौरान उऊड ने विशेष रूप से निःशुल्क महिला सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम की कक्षाओं का अवलोकन किया, जहां 25 महिलाएं सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही थीं। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से बातचीत कर उनके अनुभव जाने और उनके द्वारा बनाए गए उत्पादों को भी देखा।

सीडीओ ने महिलाओं की मेहनत और उत्साह की सराहना करते हुए उन्हें स्वरोजगार अपनाकर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कौशल विकास महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर NRLM के अधिकारी, RSETI स्टाफ और अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। संस्थान द्वारा ग्रामीण महिलाओं और युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण देने के प्रयासों की भी सराहना की गई। CDO ने संस्थान को भविष्य में भी इसी तरह गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण जारी रखने के निर्देश दिए और शुभकामनाएं दीं।

नगरायुक्त ने अधिकारियों को दिए अविलंब कार्रवाई के निर्देश

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सहारनपुर। नगरायुक्त शिपू गिरि ने अतिक्रमण सम्बंधी समस्याओं के निस्तारण के लिए प्रवर्तन दल तथा सफाई सम्बंधी समस्याओं के निराकरण के लिए क्षेत्रीय सफाई निरीक्षकों को स्थलीय निरीक्षण कर अविलंब कार्रवाई करने के निर्देश दिए। नगरायुक्त ने नगर निगम में जनसुनवाई के दौरान ये निर्देश दिए। नौ समस्याओं में से एक समस्या का तत्काल समाधान कराया गया।

वार्ड 04 पंत विहार निवासी देशपाल शर्मा ने ओम चौक पर नालियों से अतिक्रमण हटाने, वार्ड 06 हलालपुर निवासी संजीव शर्मा ने पड़ौसी द्वारा अवैध रुप से दीवार बनाकर अतिक्रमण करने की ओर ध्यान दिलाते हुए उसे हटाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। जबकि वार्ड 46 ज्ञान विहार कॉलोनी निवासी सुभाष प्रजापति ने अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान उठाया गया सामान वापिस दिलाने की मांग की।

जिस पर नगरायुक्त ने प्रवर्तन दल प्रभारी को स्थलीय निरीक्षण कर कार्रवाई के निर्देश दिए।

वार्ड 04 जे जे पुरम निवासी राजेंद्र कुमार ने कॉलोनी में नाली की सफाई कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया था। जिस पर क्षेत्रीय सफाई निरीक्षक व सफाई मित्र को भेजकर अविलंब समस्या का समाधान करा दिया गया। इसके अलावा वार्ड 43 पीर जियो वाली मस्जिद निवासी नाजिर जमाल ने भी साफ सफाई कराने तथा देशपाल शर्मा ने ओम चौक की नालियों की सफाई कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। जिस पर नगरायुक्त ने सफाई निरीक्षकों को स्थलीय निरीक्षण कर अविलंब कार्रवाई करने को कहा है।

इसके अतिरिक्त वार्ड 16 शिवाजी नगर निवासी धर्म सिंह ने खराब पड़ी लाइटों को ठीक कराने, वार्ड 07 आदर्श नगर निवासी अमित कुमार ने आदर्शनगर में बंद सीवर लाइन को खोलने व सफाई कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिए, जिस पर सम्बंधित अधिकारियों को स्थलीय निरीक्षण उपरांत कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अपर नगरायुक्त प्रदीप यादव व मृत्युंजय सहित सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

तेजतर्रार पुलिसिंग का असर: थानाध्यक्ष रोहित कुमार की सक्रियता से 25 वर्षों बाद दबोचा गया 50 हजार का इनामी लुटेरा

मयूर खान

आगरा(वेलकम इंडिया)। आगरा में कमिश्नरेट आगरा पुलिस ने 25 वर्षों से फरार चल रहे 50 हजार रुपये के इनामी आरोपी सैमुअल उर्फ सहदेव उर्फ अमित पुत्र डेनियल को गिरफ्तार कर एक बड़ी सफलता हासिल की है। वर्ष 2002 में थाना लोहमंडी में दर्ज लूट के मुकदमे में वांछित चल रहा आरोपी लगातार अपनी पहचान बदलकर पुलिस को चकमा देता रहा,लेकिन आखिरकार पुलिस की सटीक रणनीति,तकनीकी निगरानी और लगातार प्रयासों के चलते वह कानून के शिकंजे में आ गया।

पुलिस के अनुसार थाना लोहमंडी में पंजीकृत मुकदमा संख्या 339/2002 धारा 392 भादवि में आरोपी पिछले 25 वर्षों से फरार था। उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस आयुक्त आगरा के निर्देश पर गठित विशेष टीमों द्वारा लंबे समय से आरोपी की तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में 1 जून 2026 को पुलिस टीम ने दिल्ली के नांगलोई थाना क्षेत्र स्थित प्रेमनगर से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

जांच में सामने आया कि आरोपी सैमुअल उर्फ सहदेव उर्फ अमित वर्षों से अलग-अलग स्थानों पर अपनी पहचान छिपाकर और नाम बदल-बदलकर रह रहा था। पुलिस अब उसके अन्य आपराधिक इतिहास और फरारी के दौरान उसके संपर्कों की भी जानकारी जुटा रही है।

इस मामले में आरोपी के दो अन्य साथी दीपक शाही उर्फ सोनू और अमित उर्फ मोनू को पूर्व में गिरफ्तार

कर जेल भेजा जा चुका है तथा न्यायालय द्वारा उन्हें सजा भी सुनाई जा चुकी है।

जबकि मुख्य आरोपी सैमुअल लगातार फरार चल रहा था। इस बड़ी सफलता के पीछे थाना नाई की मंडी के थानाध्यक्ष रोहित कुमार की सक्रिय भूमिका भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। पहचाने जाने वाले रोहित कुमार लगातार वांछित अपराधियों की धरपकड़ के अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करते रहे हैं।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, फरार अपराधियों से संबंधित सूचनाओं के संकलन, उनकी गतिविधियों पर निगरानी और विभिन्न इकाइयों के बीच समन्वय स्थापित करने में उनकी भूमिका अहम रही।

इसी प्रभावी पुलिसिंग का परिणाम रहा कि 25 वर्षों से फरार आरोपी आखिरकार पुलिस की गिरफ्त में आ गया। पुलिस विभाग में रोहित कुमार को एक कर्मठ, जुझारू और परिणामोन्मुख अधिकारी के रूप में देखा जाता है।

उनके नेतृत्व में पूर्व में भी कई चर्चित मामलों का सफल खुलासा हो चुका है तथा अपराधियों के विरुद्ध अपनी तेजतर्रार कार्यशैली, अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई और जटिल मामलों के सफल खुलासों के लिए प्रभावी कार्रवाई की गई है। इस गिरफ्तारी ने एक बार फिर साबित किया है कि मजबूत इच्छाशक्ति, आधुनिक तकनीक और सतत पुलिसिंग के बल पर वर्षों पुराने मामलों का भी सफल निस्तारण संभव है। इस कार्रवाई में सहायक पुलिस आयुक्त लोहमंडी गौरव सिंह, प्रभारी निरीक्षक लोहमंडी इंद्रजीत सिंह,थानाध्यक्ष नाई की मंडी रोहित कुमार मय टीम,उपनिरीक्षक अभिषेक तिवारी (प्रभारी सर्विलांस सेल),उपनिरीक्षक सोहनपाल सिंह (प्रभारी एसओजी) तथा उपनिरीक्षक देवेंद्र सिंह (प्रभारी टेक्निकल सेल) सहित समस्त पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम की इस उल्लेखनीय सफलता पर पुलिस उपायुक्त नगर आगरा द्वारा 10 हजार रुपये के पुरस्कार की घोषणा भी की गई है। यह गिरफ्तारी न केवल आगरा पुलिस की बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है, बल्कि यह भी दशार्ती है कि कानून से बचने की कोशिश कितनी भी लंबी क्यों न हो, अपराधी अंततः कानून के शिकंजे में आ ही जाता है।

धामी ने चारधाम यात्रा की व्यवस्थाओं को लेकर समीक्षा बैठक की

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में चारधाम यात्रा की व्यवस्थाओं को लेकर समीक्षा बैठक की। जिसमें उन्होंने अधिकारियों को श्रद्धालुओं के लिए सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित दर्शन सुनिश्चित करने हेतु एसओपी तैयार करने एवं रात्रि 10 बजे से सुबह 4 बजे तक यात्रा मार्गों पर वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह भी सुनिश्चित किया जाए कि यात्रा मार्ग पर भारी वाहनों का संचालन केवल रात्रि में ही किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आ रहे हैं और आगे भी इनकी संख्या तेजी से बढ़ेगी। इससे न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है बल्कि, स्थानीय लोगों का व्यापार भी बढ़ रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन स्थलों पर श्रद्धालुओं को रोका या ठहराया जा रहा है वहां मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था हो। अधिकारियों को मानसून के दृष्टिगत यात्रा मार्ग पर संवेदनशील एवं भूस्खलन संभावित क्षेत्रों की 247 निगरानी करने, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस एवं प्रशासन की समन्वित तैनाती करने, ट्रैफिक प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था, मेडिकल सुविधाओं और आपदा राहत संसाधनों को पूर्णतः सक्रिय रखने के निर्देश दिए।

गमसाली से मलारी के मध्य 30 किलोमीटर एमटीबी चैलेंज प्रतियोगिता का रोमांचक आयोजन किया गया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। सीमांत जनपद चमोली की नीति घाटी में 31 मई से 2 जून तक आयोजित 'नीति एक्सट्रीम अल्ट्रा रन' के अंतिम दिन गमसाली से मलारी के मध्य 30 किलोमीटर एमटीबी चैलेंज प्रतियोगिता का रोमांचक आयोजन किया गया। दुर्गम पहाड़ी रास्तों, चुनौतीपूर्ण ट्रैक और मनमोहक प्राकृतिक वादियों के बीच आयोजित इस प्रतियोगिता में देशभर से आए 100 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। 30 किलोमीटर पुरुष एमटीबी चैलेंज प्रतियोगिता में खरिकसिंग अडॉनिस तांगपू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

जबकि सूरज राणा दूसरे एवं प्रकाश थापा तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग की 30 किलोमीटर एमटीबी चैलेंज प्रतियोगिता में अवनी डरियाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। संध्या मौर्या दूसरे तथा इंद्रा कुमारी तमांग तीसरे स्थान पर रहीं। 15 किलोमीटर पुरुष एमटीबी चैलेंज प्रतियोगिता में प्रज्जवल चौहान प्रथम, इशांत सिंह अधिकारी द्वितीय तथा अश्विन रौथाण तृतीय स्थान पर रहे।

वहीं महिला वर्ग में प्रिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। पर्यटन विभाग द्वारा भारतीय सेना एवं आईटीबीपी के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय इस भव्य आयोजन में देश के 27 राज्यों से आए कुल 1200 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। तीन दिवसीय इस आयोजन का उद्देश्य सीमांत क्षेत्रों में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देना, स्थानीय संस्कृति को राष्ट्रीय पहचान दिलाना तथा युवाओं में फिटनेस एवं साहसिक खेलों के प्रति जागरूक करना है।

आयोजन के दौरान नीति घाटी खेल, साहस, संस्कृति और पर्यटन गतिविधियों का जीवंत केंद्र बनी रही। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों, भारतीय सेना, आईटीबीपी, चिकित्सा विभाग, पर्यटन विभाग एवं अन्य विभागों के अधिकारियों की सक्रिय सहभागिता ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

क्रिकेटर विराट कोहली और अनुष्का शर्मा ने वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज से लिया आशीर्वाद

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/वृंदावन। आईपीएल फाइनल में शानदार जीत दर्ज करने के बाद भारतीय क्रिकेटर अपनी पत्नी एवं अभिनेत्री के साथ मंगलवार सुबह वृंदावन पहुंचे। दोनों ने परिक्रमा मार्ग स्थित आश्रम में संत के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

जानकारी के अनुसार, विराट और अनुष्का ने श्रीहित राधा केलि कुंज आश्रम पहुंचकर महाराज जी के चरणों में बैठकर आशीर्वाद लिया और आध्यात्मिक चर्चा भी की। इस दौरान आश्रम परिसर भक्तिमय माहौल में डूबा रहा। आईपीएल खिताब जीतने के तुरंत बाद विराट कोहली की इस धार्मिक यात्रा को उनके प्रशंसकों और ब्रजवासियों द्वारा काफी सराहा जा रहा है। वहीं अपने पसंदीदा क्रिकेटर के वृंदावन आगमन की सूचना मिलते ही आश्रम के बाहर बड़ी संख्या में श्रद्धालु और प्रशंसक एकत्र हो गए। बताया जा रहा है कि दोनों कुछ समय तक आश्रम में रहे और संत प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद लेने के बाद वहां से रवाना हो गए।

जवाहर बाग की 10 वीं बरसी पर अर्चना द्विवेदी ने कहा अभी तक नहीं मिला सम्मान, मुख्यमंत्री दें शहीद सेवा मेडल

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। जवाहर बाग हिंसा की 10वीं बरसी पर तत्कालीन एसपी सिटी मुकुल द्विवेदी की पत्नी अर्चना द्विवेदी ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि घटना के एक दशक बाद भी उनके पति को आधिकारिक रूप से शहीद का दर्जा नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि समाज और कानून व्यवस्था की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अधिकारी को अब तक वह सम्मान नहीं मिला जिसके वे वास्तविक हकदार हैं।

अर्चना द्विवेदी ने कहा कि उनके पति ने कर्तव्य निभाते हुए उपद्रवियों का डटकर सामना किया और वीरगति प्राप्त की। हर वर्ष उनकी बरसी पर नेता और प्रशासनिक अधिकारी श्रद्धांजलि देने आते हैं तथा परिवार को सम्मान दिलाने का आश्वासन भी देते हैं लेकिन आज तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। गौरतलब है कि 2 जून 2016 को मथुरा के जवाहर बाग में रामवृक्ष यादव के नेतृत्व वाले स्वाधीन भारत सुभाष सेना' समूह ने सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर रखा था, इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के बाद जब पुलिस और प्रशासन अतिक्रमण हटाने पहुंचा तो उपद्रवियों ने इस हिंसक घटना में तत्कालीन एसपी सिटी मुकुल द्विवेदी और फरह थानाध्यक्ष संतोष कुमार यादव की मौत हो गई थी, पूरे घटनाक्रम में दो पुलिस अधिकारियों समेत कुल 29 लोगों की जान गई थी, मृतकों में 27 सत्याग्रही भी शामिल थे। कार्रवाई के दौरान बड़ी मात्रा में अवैध हथियार और विस्फोटक सामग्री बरामद की गई थी।

जवाहर बाग कांड की दसवीं बरसी पर अर्चना द्विवेदी के बयान के बाद एक बार फिर इस मुद्दे पर चर्चा तेज हो गई है सोशल मीडिया और स्थानीय स्तर पर लोग सवाल उठा रहे हैं कि ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले अधिकारियों को अब तक आधिकारिक शहीद का दर्जा क्यों नहीं मिला।

स्थानीय नागरिकों और विभिन्न सामाजिक संगठनों का कहना है कि जिन पुलिस अधिकारियों ने अपनी जान की परवाह किए बिना कानून व्यवस्था बहाल करने का प्रयास किया उनके बलिदान का सम्मान केवल श्रद्धांजलि तक सीमित नहीं रहना चाहिए उन्होंने सरकार से मांग की है कि इस मामले में शीघ्र निर्णय लेकर दिवंगत अधिकारियों को उचित सम्मान प्रदान किया जाए अर्चना द्विवेदी का कहना है कि उनके परिवार को आज भी उस सम्मानजनक निर्णय का इंतजार है जिसकी उम्मीद उन्हें वर्षों से दिलाई जाती रही है उन्होंने सरकार से संवेदनशीलता दिखाते हुए इस मुद्दे का स्थायी समाधान निकालने की अपील की है।

महिला कांस्टेबल ने अपनी जान जोखिम में डाल बचाई यात्री की जान

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। जंक्शन रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ की महिला कांस्टेबल मीनू कुमारी ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए एक यात्री की जान बचा ली। यह पूरी घटना स्टेशन के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अमृतसर से विशाखापट्टनम जा रही हीराकुंड एक्सप्रेस रविवार दोपहर करीब 1:30 बजे प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर पहुंची थी। ट्रेन के चलने के दौरान एक यात्री दौड़कर आरक्षित कोच में चढ़ने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान उसका हाथ कोच के हैंडल से फिसल गया और वह प्लेटफॉर्म पर घिसटने लगा। यात्री के पैर ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच फंस गए, जिससे उसकी जान पर बन आई। प्लेटफॉर्म पर ड्यूटी कर रही आरपीएफ महिला कांस्टेबल मीनू कुमारी ने बिना देर किए यात्री की ओर छलांग लगाई और उसका हाथ मजबूती से पकड़ लिया। यात्री को खींचने के प्रयास में वह स्वयं भी गिर पड़ीं, लेकिन उन्होंने यात्री का हाथ नहीं छोड़ा। महिला कांस्टेबल की बहादुरी देखकर आसपास मौजूद अन्य यात्री भी मदद के लिए आगे आए और यात्री को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घटना के बाद ट्रेन रवाना हो गई। घायल यात्री को मामूली चोटें आईं और प्राथमिक सहायता के बाद वह वहां से चला गया। आरपीएफ इंस्पेक्टर यू.के. कौशिक ने बताया कि महिला कांस्टेबल मीनू कुमारी की सतर्कता और साहस के कारण एक बड़ा हादसा टल गया। उनके इस कार्य की सराहना की जा रही है।

बड़े मंगल पर शुजागंज में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, गौरी स्वीट्स के विशाल भंडारे में हजारों भक्तों ने ग्रहण किया प्रसाद

फतेह खान

रुदौली/अयोध्या(वेलकम इंडिया)। ज्येष्ठ माह के पावन बड़े मंगल के अवसर पर शुजागंज स्थित गौरी स्वीट्स में आयोजित सुंदरकांड पाठ एवं विशाल भंडारे में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। धार्मिक आस्था, सेवा और समर्पण से ओत-प्रोत इस आयोजन में सुबह विधि-विधान के साथ सुंदरकांड पाठ संपन्न हुआ, जिसके पश्चात दोपहर 12 बजे से शुरू हुआ विशाल भंडारा देर शाम तक निरंतर चलता रहा।

भंडारे में श्रद्धालुओं को पूड़ी, सब्जी एवं बुंदिया का प्रसाद वितरित किया गया। क्षेत्र के ग्रामीणों, नगरवासियों एवं राहगीरों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया और बजरंगबली का आशीर्वाद प्राप्त किया। आयोजन स्थल पर पूरे दिन भक्तिमय वातावरण बना रहा।

जय श्रीराम और जय बजरंगबली के जयघोषों से माहौल गुंजायमान रहा, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिरस में सराबोर दिखाई दिया।आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा एवं व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा गया। बड़ी संख्या में लोगों ने भंडारे में पहुंचकर आयोजकों की सेवा भावना की सराहना की। आयोजन ने सामाजिक समरसता, धार्मिक आस्था और जनसेवा का प्रेरणादायक संदेश भी दिया।

भंडारे में रुदौली क्षेत्राधिकारी आशीष निगम, शुजागंज चौकी प्रभारी अभिषेक सिंह, भाजपा युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष आशीष शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की। इस अवसर पर आयोजक राजन मिश्रा एवं रोहित मिश्रा ने अतिथियों का अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया।आयोजकों ने बताया कि बड़े मंगल के पावन पर्व पर आयोजित यह भंडारा जनकल्याण, धर्म सेवा एवं मानवता की भावना को समर्पित है। उन्होंने क्षेत्रवासियों के सहयोग और श्रद्धालुओं की सहभागिता के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन निरंतर किए जाते रहेंगे। बड़े मंगल के इस भव्य आयोजन ने शुजागंज क्षेत्र को पूरी तरह भक्तिमय रंग में रंग दिया और श्रद्धा, सेवा तथा सामाजिक एकता की एक सुंदर मिसाल प्रस्तुत की।

सुभासपा ने की प्रेस वार्ता, 2027 चुनाव और विकास पर रखी बात

वेलकम इंडिया ब्यूरो

मुरादाबाद। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के जिला कार्यालय मुरादाबाद में महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इसमें जिलाध्यक्ष एवं विधानसभा 27 देहात मुरादाबाद प्रभारी रवि चौधरी ने आगामी 2027 विधानसभा चुनाव, क्षेत्रीय विकास और जनहित के मुद्दों पर अपने विचार रखे।

NDA सरकार की नीति पर बोले रवि चौधरी

अपने संबोधन में रवि चौधरी ने कहा कि सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ठऊअ गठबंधन का महत्वपूर्ण घटक दल है। NDA सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' की नीति पर कार्य करती है।

यह सरकार जाति, धर्म और भेदभाव की राजनीति नहीं बल्कि हर वर्ग को साथ लेकर विकास करने का कार्य कर रही है।

योगी सरकार के कार्यों को सराहा

उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में सड़क, हाईवे, कानून व्यवस्था और विकास कार्यों में ऐतिहासिक परिवर्तन देखने को मिल रहा है।

माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश अपराध मुक्त और विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

भाई ने किया भव्य स्वागत: देशभक्ति और अनुशासन की मिसाल हैं हमारे सैनिक, उनका सम्मान हम सभी का गौरव: देवी सिंह

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। राष्ट्र सेवा की गौरवपूर्ण एवं समर्पित सेवाओं के उपरांत भारतीय सेना से सेवानिवृत्त होकर लौटे ग्राम पंचायत बछगांव के नगला देविया निवासी वीर सैनिक बबलू कुमार का क्षेत्र में जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी के बड़े भाई और वरिष्ठ सामाजिक नेता देवी सिंह (डी.एम.) ने उन्हें स्मृति चिह्न भेंट कर और पटका पहनाकर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सम्मान समारोह के दौरान उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी के बड़े भाई देवी सिंह ने सेवानिवृत्त सैनिक बबलू कुमारजी के उत्कृष्ट योगदान, अटूट अनुशासन एवं देशभक्ति की सराहना की। उन्होंने कहा देश की सीमा पर रहकर माँ भारती की सेवा करने वाले वीर सैनिकों का सम्मान करना हम सभी का परम कर्तव्य और गौरव है। बबलू कुमार जी ने अपनी समर्पित सेवाओं से न केवल अपने परिवार का, बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनका अनुशासित जीवन युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। इस दौरान पूरा माहौल 'भारत माता की जय' और वीर सैनिक के समर्थन में गगनभेदी नारों से गुंजायमान हो उठा। कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य लोगों ने बबलू कुमारजी के उत्तम स्वास्थ्य, सुखमय व दीर्घायु जीवन की मंगलकामनाएं प्रेषित कीं। सेना के इस गौरवपूर्ण सम्मान समारोह में मुख्य रूप से जीवन पहलवान, तेजपाल प्रधान, रुस्तम सिंह, मुकेश काका, मुरारी सिंह, जगदीश सिंह, कृष्णा कुंतल, 'वेटरन्स इंडिया' के सम्मानित पदाधिकारीगण एवं भारी संख्या में स्थानीय ग्रामवासी मौजूद रहे। अंत में, सेवानिवृत्त होकर लौटे वीर सैनिक बबलू कुमार ने इस भव्य स्वागत और सम्मान के लिए जिला पंचायत अध्यक्ष परिवार, वेटरन्स इंडिया की टीम और सभी ग्रामवासियों का सहृदय आभार व धन्यवाद व्यक्त किया।

डॉ. धन सिंह रावत ने व्यूप्वाइंट का लोकार्पण किया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून/पौड़ी। आज खिर्सू-माण्डाखाल मोटर मार्ग के मध्य बिडोली मोटर मार्ग पर यात्रियों की सुविधा एवं क्षेत्रीय पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निर्मित व्यूप्वाइंट का शिक्षा एवं सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने लोकार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह व्यूप्वाइंट यात्रियों को सुरक्षित विश्राम स्थल उपलब्ध कराने के साथ-साथ क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता का अवलोकन करने का अवसर प्रदान करेगा। साथ ही इस महत्वपूर्ण निर्माण कार्य से स्थानीय पर्यटन को नई गति मिलेगी तथा क्षेत्र के विकास को भी बल प्राप्त होगा।

कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने नेशनल यूथ मुए थाई चैंपियनशिप-2026 का औपचारिक उद्घाटन किया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री श्रीमती रेखा आर्य ने हल्द्वानी के गौलापार स्थित अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स स्टेडियम में नेशनल यूथ मुए थाई चैंपियनशिप-2026 का औपचारिक उद्घाटन किया। 1 से 4 जून तक आयोजित हो रही इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के 26 राज्यों एवं 5 केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 900 खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में खिलाड़ियों का देवभूमि उत्तराखंड में एकत्र होना इस बात का प्रमाण है कि हमारा प्रदेश आज राष्ट्रीय खेल आयोजनों का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभर रहा है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मुए थाई केवल एक खेल नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, शारीरिक दक्षता और मानसिक दृढ़ता का सशक्त माध्यम है। मुझे विश्वास है कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का उत्कृष्ट मंच मिलेगा तथा वे खेल भावना के साथ नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे।

श्रीमती आर्य ने कहा कि उत्तराखंड सरकार प्रदेश में खेल संस्कृति को मजबूत करने, खिलाड़ियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

हमारा संकल्प है कि उत्तराखंड खेलों के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करे। उन्होंने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

इस अवसर पर खेल उपनिदेशक श्रीमती राशिका सिद्दकी, जिला खेल

डीएम की अध्यक्षता में संभावित बाढ़ से बचाव को लेकर स्टेयरिंग कमेटी की बैठक, तैयारियों की समीक्षा

राहत कैम्पों की स्थापना एवं संचालन व्यवस्था पर जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों को दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में बरसात के मौसम में सम्भावित बाढ़ एवं बंधों के कटान आदि से बचाव एवं सुरक्षा के दृष्टिगत बाढ़ स्टीयरिंग कमेटी की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सत्य प्रकाश उपस्थित रहे। बैठक के दौरान बाढ़ अधिकारी/अधिशाषी अधिकारी ड्रेनेज खण्ड ने सम्भावित बाढ़ से बचाव के दृष्टिगत अब तक की तैयारियों के बारे में अवगत कराया। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि बाढ़ खंड से संबंधित अधिकारीगण तटबंधों का स्थलीय निरीक्षण कर आख्या तत्काल उपलब्ध करा दें। उन्होंने कहा कि बाढ़ राहत बचाव कार्य में सुविधा के दृष्टिगत कम्युनिकेशन प्लान बनाया जाए जिसे तैयार करने हेतु तहसीलदार एवं डीपीआरओ को निर्देशित किया गया।

जिलाधिकारी ने जनपद में बाढ़ के दृष्टिगत संवेदनशील नदियों राप्ती एवं घाघरा के आस-पास के इलाकों में सम्भावित बाढ़ से पूर्व की गयी तैयारियों की गहन समीक्षा करते हुए बंधो, बाढ़ चौकियों, राहत केंद्रों एवं राहत शिविरों की स्थापना एवं अलग-अलग विभागों को उनके विभागीय जिम्मेदारियां के अनुसार लगाई गई ड्यूटी आदि के बारे में विस्तृत जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि सभी संबंधित अधिकारीगण/कर्मचारीगण अपनी ड्यूटी के अनुसार पूरी सतर्कता, तैयारी एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करना सुनिश्चित करेंगे।

उन्होंने बाढ़ के दौरान राहत किट हेतु जिला पूर्ति अधिकारी एवं पशुओं हेतु भूसा की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि इस संबंध में आवश्यक टेंडर आदि की प्रक्रिया पूरी कर ली जाए। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा जनपद की तहसीलो में बाढ़ क्षेत्र में पूर्व के अनुसार राहत शिविर, राहत कैम्प एवं बाढ़ चौकी हेतु

स्थल का चयन किये जाने हेतु निर्देश दिया गया है।

उन्होंने राहत शिविरो एवं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति हेतु अधिशाषी अभियन्ता जलनिगम एवं समस्त अधिशाषी अधिकारी नगर निकाय को निर्देशित किया है। इमरेजन्सी आपरेशन सेन्टर (ई0ओ0सी0)/कन्ट्रोल रूम के संचालन के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि जनपद मुख्यालय स्तर पर बाढ़ नियत्रंण कक्ष में इमेरजेन्सी आपरेशन सेन्टर (ई0ओ0सी0)/कन्ट्रोल रूम की स्थापना दिनांक 15 जून, 2026 से कर ली जायेगी। जिसमें राजस्व विभाग, पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशु पालन विभाग के एक-एक अधिकारी/कर्मचारियों की ड्यूटी 247 लगायी जायेगी तथा सूचनाओं के आदान प्रदान हेतु दूरभाष संख्या-05547-226505 एवं टोल फ्री नं0-1077 स्थापित है। जिलाधिकारी ने बाढ़ की सम्भावना से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों विशेष रूप से धनघटा तहसील एवं मेंहदावल तहसील में बाढ़ से प्रभावित हो सकने वाले ग्रामीणों एवं उनके पशुओं को बाढ़ के दौरान व्यवस्थित किये जाने हेतु राहत कैम्पों की स्थापना एवं संचालन से सम्बंधित विभिन्न बिन्दुओं की समीक्षा बिन्दुवार सम्बंधित अधिकारियों से उनके जिम्मेदारियों एवं विभागीय कार्यों के विषय में जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। राहत कैम्पों की स्थापना एवं संचालन के विषय में जिलाधिकारी ने राहत कैम्पों की स्थापना एवं संचालन से सम्बंधित सभी विभागीय अधिकारियों के साथ समन्वयता बनाये रखने का निर्देश देते हुए कहा कि चूकि बाढ़ एक आकस्मिक आपदा है इसलिए इसके दुष्प्रभाव से बचने हेतु पहले से ही सभी बिन्दुओं पर पैनी नजर बनाये रखी जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि राहत कैम्पों की स्थापना ऐसे स्थलों पर किया जाए जहां अवागमन की अच्छी सुविधा हो। उन्होंने राहत कैम्प में स्वच्छ भोजन, पानी, सोने की व्यवस्था, शौचालय, निर्वाध विद्युत आपूर्ति, बच्चों को खेलने एवं पढ़ने की व्यवस्था, 108 एवं 102 एम्बुलेंस की व्यवस्था, चिकित्सक की व्यवस्था, क्लोरीन की गोली की उपलब्धता आदि से सम्बंधित बिन्दुओं पर सम्बंधित अधिकारी को निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने बाढ़ से प्रभावित पशुओं हेतु कैम्प की स्थापना के साथ उसका उचित देख-रेख, पशुओं के भूसा-चारे की व्यवस्था, पशुओं का टीकाकरण आदि से सम्बंधित बिन्दुओं पर जानकारी प्राप्त करते हुए मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि विशेष रूप से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के पशुओं का शत-प्रतिशत टीकाकरण तत्काल करा लिया जाए। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि चूँकि बाढ़ की स्थिति में विभिन्न प्रकार के संक्रमणों आदि की सम्भावना काफी बढ़ जाती है इसलिए इससे बचाव के उपायों को पहले से ही सुनिश्चित कर लिया जाए। उन्होंने ग्रामीण स्तर पर कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों जैसे ए0एन0एम0, आशा बहुओं के साथ आवश्यक बैठक करते हुए सम्भावित बाढ़ क्षेत्रों में गर्भवती एवं धात्रि महिलाओं का विवरण तैयार रखने और उन्हें किसी भी संक्रमण से प्रतिरक्षित रखने हेतु टीकाकृत करने के निर्देश दिये। उन्होंने बाढ़ के दौरान किसी भी संक्रामक बीमारी को फैलने से रोकने के लिए आवश्यक और जीवन रक्षक दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित रखने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने बाढ़ सम्भावित क्षेत्रों में नाव, मोटर बोट की व्यवस्था रखते हुए गोताखोरों का नाम, पता एवं मोबाइल नम्बर तथा पहले से ही उनके सम्पर्क में रहने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि बाढ़ सम्भावित क्षेत्रों का भ्रमण कर स्थानीय लोगो से किसी भी सम्भावित समस्या के बारे में पहले से ही जानकारी प्राप्त कर इसका निस्तारण सुनिश्चित करा लिया जाए। जिलाधिकारी ने बैठक में बाढ़ के दौरान एवं बाढ़ के उपरांत फैलने वाली संक्रामक बीमारियों आदि के विषय में सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि इस संबंध में छिड़काव की जाने वाली दवाइयों एवं कर्मियों की व्यवस्था सुनिश्चित रखी जाए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 रामानुज कनौजिया, उप जिलाधिकारी खलीलाबाद हृदय राम तिवारी, उप जिलाधिकारी संजीव राय, पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रियम राजशेखर पांडेय, तहसीलदार खलीलाबाद आनंद ओझा, अधिशाषी अभियंता ड्रेनेज खंड अजय कुमार, सहायक अभियंता ड्रेनेज खंड अक्षय कुमार, मनीष राय, नायब तहसीलदार धनघटा राजेश कुमार, नायब तहसीलदार मेहदावल प्रियंका तिवारी, जिला पूर्ति अधिकारी राजीव कुमार, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ0 एसके तिवारी सहित संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

पूरा जीवन याद रहेगा संत कबीर नगर का कार्यकाल: हरिश्चंद्र नाथ

नवागत जिला विद्यालय निरीक्षक में कार्यभार ग्रहण किया

संत कबीर नगर। विदाई पार्टी के दौरान ही नवागत जिला विद्यालय निरीक्षक उपेंद्र कुमार ने अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जाएगा। कार्यालय के स्तर पर कोई भी काम पेंडिंग नहीं रखा जाएगा। इस दौरान वर्तमान जिला विद्यालय निरीक्षक हरिश्चंद्र नाथ, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह व उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश मंत्री संजय द्विवेदी मौजूद रहे।

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। कार्यालय कर्मचारी व शिक्षक नेताओं के द्वारा स्थानांतरित जिला विद्यालय निरीक्षक हरिश्चंद्र नाथ का विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नवजात जिला विद्यालय निरीक्षक उपेंद्र कुमार व संचालन जिला समन्वयक धर्मेंद्र कुमार मिश्रा ने किया। जिला विद्यालय निरीक्षक हरिश्चंद्र नाथ ने कहा कि संत कबीर नगर का कार्यकाल मुझे पूरा जीवन याद रहेगा। यहां के लोगों ने माध्यमिक शिक्षा के संचालन में हमें जो सहयोग दिया है उसे हम कभी भूल नहीं पाएंगे। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश मंत्री संजय द्विवेदी ने कहा कि स्थानांतरण शासकीय सेवा का हिस्सा है। शिक्षक हितों की रक्षा के लिए संगठन द्वारा उठाए गए मुद्दों का समयबद्ध निस्तारण करने के लिए आपको याद किया जाएगा। आपके नेतृत्व में जिले में शिक्षकों को अपने दायित्व को निर्वहन करने में कोई कठिनाई नहीं हुई है। राजकीय इंटर कॉलेज खलीलाबाद बाद की प्रधानाचार्य सबीहा मुमताज ने कहा कि आपके नेतृत्व में हम लोगों को सीखने का मौका मिला। अभी हमको बहुत कुछ सीखना बाकी था किंतु आपका स्थानांतरण हो गया। हम भविष्य में भी आपसे मार्गदर्शन लेते रहेंगे।

पाकिस्तान से व्हाट्सएप कॉल पर मिली धमकी, सनातन न्याय यात्रा को बम से उड़ाने की चेतावनी

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया) श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट, मथुरा के अध्यक्ष एवं श्रीकृष्ण जन्मभूमि प्रकरण के मुख्य पक्षकार आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज को पाकिस्तान के मोबाइल नंबर से व्हाट्सएप कॉल कर जान से मारने और प्रस्तावित सनातन न्याय यात्रा को बम से उड़ाने की धमकी देने का मामला सामने आया है। सूचना मिलने के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज के अनुसार,विगत एक जून की रात करीब 10:23 बजे पाकिस्तान के मोबाइल नंबर से लगातार तीन व्हाट्सएप कॉल आईं। कॉल करने वाले ने यात्रा को बम से उड़ाने की धमकी दी तथा भारत विरोधी टिप्पणियां कीं। साथ ही श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में उनकी सक्रियता को लेकर भी आपत्तिजनक बातें कहीं। महाराज ने कहा कि वह किसी भी धमकी से डरने वाले नहीं हैं और सनातन न्याय यात्रा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार निकाली जाएगी। उन्होंने बताया कि यात्रा से पहले विभिन्न मठों और ज्योतिर्लिंगों में जाकर आशीर्वाद लिया जा रहा है। पीड़ित ने बताया कि कॉल की रिकॉर्डिंग, स्क्रीनशॉट और अन्य साक्ष्य सुरक्षित कर लिए गए हैं। मामले की सूचना यूपी-112, व थाना कांधला पुलिस और पुलिस अधीक्षक शामली को दे दी गई है। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार तथा सुरक्षा एजेंसियों से मामले की उच्चस्तरीय जांच और सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग की है। मामले में पुलिस व खुफिया विभाग ने जांच शुरू कर दी है।

धमकियों से नहीं डरेगा संकल्प

आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने कहा कि धमकियां उनके संकल्प को कमजोर नहीं कर सकतीं। सनातन न्याय यात्रा धर्म और संस्कृति की रक्षा के उद्देश्य से निकाली जा रही है और यह हर हाल में संपन्न होगी।

प्रदेश पदाधिकारी बनाए जाने पर धौलपुर में हुआ स्वागत

वेलकम इंडिया संवाददाता

धौलपुर राजस्थान। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष द्वारा संगठनात्मक विस्तार करते हुए धौलपुर निवासी जाहिद कुरैशी को अल्पसंख्यक मोर्चा का प्रदेश मंत्री तथा नाजिया खान को अल्पसंख्यक मोर्चा आईटी सेल का प्रदेश प्रभारी नियुक्त किए जाने पर भाजपा कार्यकताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। इस अवसर पर भाजपा जिला कार्यालय पर स्वागत एवं सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष सत्येंद्र पाराशर ने नव नियुक्त पदाधिकारियों का माल्यार्पण एवं साफा पहनाकर अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन हमेशा कार्यकताओं की मेहनत और समर्पण का सम्मान करता है। धौलपुर के कार्यकताओं को प्रदेश स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलना जिले के लिए गौरव की बात है। इससे संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी तथा अल्पसंख्यक समाज में भाजपा की नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से पहुंचाने में सहायता मिलेगी। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि भाजपा 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूल मंत्र के साथ समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चल रही है। अल्पसंख्यक मोर्चा के माध्यम से पार्टी की विचारधारा एवं केंद्र तथा राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा। प्रदेश मंत्री नियुक्त होने पर जाहिद कुरैशी ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने जो विश्वास उन पर व्यक्त किया है, उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ तथा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हामिद मेवाती का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती और पार्टी विस्तार के लिए पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करेंगे। वहीं नाजिया खान ने कहा कि आईटी सेल की जिम्मेदारी मिलने पर वे डिजिटल माध्यमों से संगठन की गतिविधियों, सरकार की उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का कार्य करेंगी। उन्होंने पार्टी नेतृत्व का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने दोनों नव नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिला महामंत्री मदन कोली, जिला उपाध्यक्ष अविनाश शर्मा, शिक्षक संघ के पूर्व नेता केशव राणा, पूर्व उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव, पूर्व उपाध्यक्ष अकील अहमद बॉबी, रामवीर त्यागी, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष मांगे कंसाना, संजय गुर्जर एडवोकेट, वसीम खान, नितिन शर्मा, लालू कंसाना, पवन शर्मा, संजू त्रिवेदी, संग्राम सिंह राणा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सात दिवसीय गायत्री महायज्ञ का समापन, पूणार्हुति के बाद हुआ विशाल भंडारा

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के गांव भभीसा में रिटायर्ड शिक्षक वेदपाल सिंह के आवास पर पिछले सात दिनों से चल रहा गायत्री का 50वां महायज्ञ मंगलवार को पूणार्हुति एवं विशाल भंडारे के साथ संपन्न हो गया। महायज्ञ में क्षेत्र सहित दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं ने आहुति देकर पुण्य लाभ अर्जित किया।रिटायर्ड शिक्षक वेदपाल सिंह ने बताया कि अपने सद्गुरुदेव परमहंस सर्वश्री चरणानंद सरस्वती जी की कृपा एवं महर्षि महेश योगी की परंपरा से प्रेरित होकर वह पिछले 50 वर्षों से निरंतर यज्ञ का आयोजन करते आ रहे हैं। 26 मई को भव्य कलश यात्रा के साथ महायज्ञ का शुभारंभ हुआ था। इसके बाद प्रतिदिन वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान से यज्ञ संपन्न कराया गया। एक जून की रात महामाई के जागरण का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। महायज्ञ की पूणार्हुति के अवसर पर श्रद्धालुओं ने यज्ञ में आहुति देकर विश्व कल्याण एवं सुख-समृद्धि की कामना की। इसके उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।इस अवसर पर वेदपाल सिंह ने भभीसा गांव को भभीसा धाम के रूप में विकसित किए जाने की घोषणा की।

नाकाबंदी के दौरान जिले भर में करीब 2200 वाहनों को किया गया चैक

वेलकम इंडिया संवाददाता

धौलपुर राजस्थान। नाकाबंदी के दौरान जिले भर में करीब 2200 वाहनों को किया गया चैक, नाकाबंदी के दौरान यातायात नियमों का उल्लघंन करते हुए पाये जाने पर 405 वाहन चालकों के विरुद्ध की गई कार्रवाई। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने औडेला पुलिस चौकी व सदर थाना धौलपुर की नाकाबन्दी का किया औचक निरीक्षण। पुलिस मुख्यालय के निर्देशन में जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के नेतृत्व में दोपहर 3:00 बजे से शाम 7:00 तक जिलें में 'ए' श्रेणी की प्रभावी नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहनों एवं व्यक्तियों की गहन चैकिंग कर नियमानुसार कार्यवाही कराई गई है। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन व वैभव शर्मा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धौलपुर व श्रवण कुमार झोरड़ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एडीएफ मुख्यालय बाड़ी एवं समस्त वृताधिकारीगण जिला धौलपुर के सुपरविजन में जिले के समस्त थानाधिकारीगणो के नेतृत्व में जिले में 22 अलग प्रमुख स्थानों पर 'ए' श्रेणी की नाकाबंदी कर प्रभावी एवं सुनियोजित कार्यवाही की गई। नाकाबंदी के दौरान सभी संदिग्ध वाहनों की गहन तलाशी ली गई, इस दौरान जिले भर में 1287 दोपहिया व 855 चौपहिया कुल 2142 वाहनों को चैक किया गया, वाहन चालकों के दस्तावेजों की जांच की गई एवं सवार व्यक्तियों की पहचान का सत्यापन किया गया। जिले भर में की गई नाकाबंदी के दौरान जो वाहन एमवी एक्ट का उलंघन कर रहे 405 वाहन चालकों के खिलाफ कार्यवाही की गई है, जिसमें 12 शराब पीकर वाहन चलाने वालों, 85 बिना हेलमेट के वाहन चलाने वालो, 51 बिना सीट बेल्ट लगाकर वाहन चलाने वालो, 05 वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात करने वालों, 16 बिना नंबर प्लेट के वाहन चलाने वालों, 11 काली फिल्म लगे वाहनों के चालकों व 225 अन्य एमवी एक्ट के नियमों का उल्लघंन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। जिले के वृताधिकारी गणों द्वारा अपने अपने इलाकों में पुलिस थानों द्वारा की जा रही नाकाबंदी का औचक निरीक्षण किया गया। नाकाबंदी के दौरान राजकॉप ऐप के माध्यम से वाहनों के पंजीकरण व स्वामित्व की त्वरित पुष्टि की गई। किसी भी बीमार, महिला अथवा वरिष्ठ नागरिक को अनावश्यक असुविधा न हो, इसका पूरा ध्यान रखा गया। नाकाबंदी के दौरान पुलिस द्वारा उपरोक्त निदेर्शों की पूर्णतः पालना की गई। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने जिले भर में की गई ए श्रेणी की नाकाबंदी का औडेला पुलिस चौकी व सदर थाना धौलपुर पर पहुंच कर औचक निरीक्षण किया एवं संबंधित पुलिस अधिकारियों व जवानों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने बताया है कि राजस्थान पुलिस अपराधियों के हर मंसूबे को नाकाम करने के लिए प्रतिबद्ध है. यह 'ए' श्रेणी की नाकाबंदी केवल एक अभियान नहीं बल्कि अपराधियों एवं असामाजिक तत्वों के खिलाफ हमारी 'जीरो-टॉलरेंस' नीति का स्पष्ट संदेश है।

थाना बेलहरकला पुलिस ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के मामले में वाँछित बाल अपचारी को किया गया निरुद्ध

संतकबीरनगर(वेलकम इंडिया)। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी मेंहदावल सर्वदवन सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद संतकबीरनगर में अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना बेलहरकला उ0नि0 जयप्रकाश यादव, हे0का0 दीनानाथ राजभर, का0 लक्ष्मीकान्त तिवारी ने मंगलवार को मु0अ0सं0 46/2026 धारा 65(1), 127(2) बीएनएस व 3/4 पाक्सो एक्ट थाना बेलहरकला से सम्बन्धित वांछित बाल अपचारी को लोहरसन से बेलहरकला जाने वाली मार्ग पर स्थित आम के बाग के पास से अभिरभा में लेकर किशोर न्यायालय भेज दिया। विदित हो कि वादिनी द्वारा दिनाँक 22.05.2026 को थाना बेलहरकला पर उक्त बाल अपचारी के विरुद्ध वादिनी की नाबालिग पुत्री को जबरन अपने घर में ले जाने व गलत काम करने का प्रयास करने के सम्बन्ध में प्रार्थना पत्र देकर अभियोग पंजीकृत कराया गया था।

गौकशी का विरोध करने पर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के जिला संयोजक से मारपीट का आरोप

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के गांव इस्लामपुर घसौली में गौकशी का विरोध करने पर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के जिला संयोजक मैं मारपीट करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने तहरीर देकर नामजद आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई और सुरक्षा की मांग की है। थाना क्षेत्र के गांव इस्लामपुर घसौली निवासी बदरू जमा ने बताया कि विगत एक जून की रात करीब 12:30 बजे वह गांव में एक परिवार को सांत्वना देने के बाद घर लौट रहे थे। आरोप है कि धार्मिक स्थल के निकट कुछ लोग संदिग्ध गतिविधि करते दिखाई दिए। पास जाकर देखने पर उन्हें गाय काटने की तैयारी होती नजर आई।

बकाया राशि वाले उपभोक्ताओं के ट्रांसफार्मर उठा कर कनेक्शन किए डीसी

वेलकम इंडिया संवाददाता

राजाखेड़ा धौलपुर राजस्थान। जेवीवीएनएल अधीक्षण अभियंता विवेक शर्मा के आदेशानुसार उपखंड राजाखेड़ा के सहायक अभियंता आनंद तिवारी के निर्देशन में दिनांक 2/6/26 दिन मंगलवार को कनिष्ठ अभियंता ग्रामीण एरिया में बकाया राशि वाले उपभोक्ताओं के ट्रांसफार्मर उठा कर डीसी करने के लिए उपखंड की तकनीकी टीम और विद्युत थाना पुलिस को साथ लेकर कनिष्ठ अभियंता विशाल जायसवाल ने राजाखेड़ा, सिंघावली, धारापुरा,से 6 ट्रांसफार्मर करीब 16 लाख की बकाया राशि पर उतार कर स्टोर कार्यालय में जमा किए, तथा मौके पर 1.10 लाख रुपए जमा कराए साथ ही उतारे गए ट्रांसफार्मर के कनेक्शन पूर्ण रूप से डीसी किए गए, मौके पर 6 श्उफ भरी गई जिसका जुमार्ना 1.84 लाख लगाया गया और उक्त गावो से करीब 120 अवैध केबलों को उतार कर जप्त किया गया,सहायक अभियंता तिवारी ने उपस्थित लोगों से अपील की वे विद्युत तंत्र से छेड़छाड़ न करें,इस से आपके जीवन को खतरा हो सकता है।साथ ही लोगों से कहा कि वे विद्युत चोरी न करें, और लोगों से कहा कि वे प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना में पंजीकरण करा कर अपने घर की छत पर सोलर संयत्र लगवा सकते हैं,जिसमें नियमानुसार सब्सिडी भी दी जा रही है,आप सभी उक्त योजना का लाभ उठाए और देश की तरक्की में भागीदार बने,उक्त कार्यवाही में वरिष्ठ टेक्निशियन अवधेश शर्मा,अमीर चंद,राजवीर सिंह, संदीप सिंह,वीरेंद्र सिंह,संजय ,बालकिशन,घनश्याम, सोनपाल, और पुलिस टीम साथ रही।

संतकबीरनगर पुलिस ने जीएसटी कर चोरी व धोखाधड़ी मामले में 50-50 हजार के दो इनामिया अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना द्वारा चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक थाना मेंहदावल राकेश कुमार सिंह व प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली खलीलाबाद जयप्रकाश दूबे के नेतृत्व में गठित टीम का0 धिरेन्द्र प्रताप सिंह, का0 अनिकेश यादव, लखनऊ एसटीएफ के निरीक्षक श्री शैलेन्द्र कुमार, हे0का0 बीर प्रताप, हे0का0 अजीत कुमार सिंह, हे0का0 सुरेश सिंह, हे0का0 मुनेन्द्र सिंह ने थाना कोतवाली खलीलाबाद पर पंजीकृत मु0अ0सं0 577/2025 धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2), 61(2) बीएनएस 66 सी/66 डी आई0टी0 एक्ट व धारा-132 जी0एस0टी0 में वांछित अभियुक्तगण .सौरभ अग्रवाल उर्फ सन्नी पुत्र स्व0 चन्द्रप्रकाश अग्रवाल निवासी बी0ई0एस0/15 हरिनगर घंटा घर नई दिल्ली 110064 हाल मुकाम सी-1-सी 901 समृद्धि अपार्टमेन्ट सेक्टर 18 द्वारिका थाना सेक्टर 17 साउथ वेस्ट नई दिल्ली, अजीत कुमार पुत्र रामप्रकाश ठाकुर निवासी आर0जेड0 439 गली नम्बर 12 कैलाशपुरी एक्शटेन्शन पालन कालोनी थाना सागर पुर साउथ वेस्ट नई दिल्ली को 02 अदद मोबाईल के साथ मोहल्ला हरिनगर क्लाक टावर, थाना हरिनगर राज्य दिल्ली से गिरफ्तार किया गया।

दिनाँक 03.07.2025 को वादी अरविन्द कुमार सहायक आयुक्त, राज्य कर खण्ड-1 संतकबीरनगर द्वारा थाना को0 खलीलाबाद पर तहरीर दिया गया कि सर्व श्री यादव इंटरप्राइजेज द्वारा बिना किसी वास्तविक इनवर्ड सप्लाई खरीद के फर्जी तरीके से मात्र इनवाईस के माध्यम से आउटवर्ड सप्लाई/बिक्री घोषित करते हुए बिना वास्तविक आउटवर्ड सप्लाई/बिक्री के माह मई 2025 में दाखिल जीएसटी रिटर्न में बोगस फर्जी आईटीसी रुपये 18,96,53,679 पास आन तथा जीएसटी आर-3 बी में बिना वास्तविक माल प्राप्त किए बोगस आईटीसी 18,96,80,190 क्लेम किया गया। इसी प्रकार अभियुक्तगण द्वारा फर्जी बोगस आईटीसी कुल 02 फर्मों जिसमें श्री अल्फा इंटरप्राइजेज, गुरुग्राम व सर्व श्री राधे इंटरप्राइजेज, दिल्ली के माध्यम से धोखाधड़ी, जालसाजी करते हुए सरकार को भारी राजस्व की छति पहुँचाई गयी।

जिसके सम्बन्ध में थाना कोतवाली खलीलाबाद पर मु0अ0सं0 577/2025 धारा 318(4), 338, 336(3) बीएनएस पंजीकृत कराया गया था। घटना में संलिप्त दो अभियुक्तगण 01. संदीप कुमार पुत्र स्व0 मुकेश कुमार निवासी ए-203/204 गली नं0-03 हरित विहार बुराडी नार्थ दिल्ली 02.अमन उपाध्याय पुत्र छांगुर प्रसाद निवासी मकान नं0 125/124 नियर अपेक्स पब्लिक स्कूल गली नं0-98/2 संतनगर बुराडी नार्थ दिल्ली को दिनाँक 13.02.2026 को थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया था तथा अभियोग में बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर धारा 340(2),61(2) बीएनएस व 66 सी,66 डी आईटी एक्ट व धारा 132 जीएसटी एक्ट बढोत्तरी किया गया था।

चौ.चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ में जिला पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न, रोवर-रेंजर गतिविधियों को सशक्त बनाने पर हुआ मंथन

हरेंद्र शर्मा

मेरठ(वेलकम इंडिया)। भारत स्काउट एवं गाइड उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में आज चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संयुक्त प्रादेशिक संगठन आयुक्त भारत स्काउट एवं गाइड उत्तर प्रदेश मयंक शर्मा, सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त मेरठ मंडल अमित कुमार, विश्वविद्यालय जनपद मुख्यायुक्त डॉ. दुष्यंत कुमार चौहान, कुलसचिव अनिल कुमार यादव एवं वित्त अधिकारी रमेश चंद्रा की गरिमामयी उपस्थिति रही।

बैठक के प्रारंभ में विश्वविद्यालय प्रशासन के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए कुलसचिव एवं वित्त अधिकारी महोदय को स्कार्फ भेंट कर सम्मानित किया गया। तत्पश्चात विभिन्न जनपदों से आए जिला संगठन आयुक्त एवं जिला प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट/गाइड) के साथ विस्तृत विचार-विमर्श बैठक संपन्न हुई। बैठक में विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर रोवर-रेंजर गतिविधियों के प्रभावी संचालन, अधिकाधिक नवीनीकरण एवं पंजीकरण सुनिश्चित करने, स्काउट-गाइड गतिविधियों के विस्तार, रोवरिंग-रेंजरिंग को सुदृढ़ बनाने तथा प्रादेशिक मुख्यालय के निदेशों का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीरता से मंथन किया गया।

प्रादेशिक मुख्यालय के प्रतिनिधि के रूप में संयुक्त प्रादेशिक संगठन आयुक्त मयंक शर्मा ने विश्वविद्यालय जनपद को सुदृढ़ एवं सक्रिय रूप से स्थापित करने,महाविद्यालयों में रोवर-रेंजर प्रादेशिक मुख्यालय के द्वारा संचालित चीफ कमिश्नर फैलोशिप (विश्वविद्यालय जनपद), युवा तरंग महोत्सव, बी. एस.जी. छात्रवृत्ति योजना रोवर और रेंजर और वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं उत्तर प्रदेश स्काउट केयर के माध्यम से ब्लड डोनर डायरेक्टरी निर्माण अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा स्काउट-गाइड,रोवर - रेंजर गतिविधियों को नई दिशा देने संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। उन्होंने सभी जनपदों से समन्वय स्थापित करते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्यक्रमों के संचालन एवं अधिकाधिक युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया।

बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने भी अपने-अपने जनपदों के अनुभव साझा करते हुए विश्वविद्यालय जनपद को बेहतर ढंग से स्थापित करने एवं रोवर-रेंजर गतिविधियों को प्रभावी बनाने हेतु अपने विचार रखे।इस अवसर पर जनपद गाजियाबाद से श्याम सिंह (जिला संगठन आयुक्त स्काउट) एवं रिंकू तोमर (जिला संगठन आयुक्त गाइड), जनपद हापुड़ से श्रीप्रकाश (जिला संगठन आयुक्त स्काउट) एवं नीता कौशिक (जिला संगठन आयुक्त गाइड), जनपद बुलंदशहर से पवन कुमार राठी (जिला संगठन आयुक्त स्काउट), जनपद बागपत से अशोक बंधु भारद्वाज (जिला संगठन आयुक्त स्काउट), जनपद गौतमबुद्ध नगर से साधना सिंह (जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड) एवं राहुल मित्तल (जिला संगठन आयुक्त स्काउट), तथा जनपद मेरठ से सोमेंद्र सिंह तोमर (जिला संगठन आयुक्त स्काउट), पूनम चौधरी (जिला संगठन आयुक्त गाइड), सोनू सिंह (जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट), ज्योति (जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड), करतार सिंह (सीसीएस यूनिवर्सिटी मेरठ) सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई तथा स्काउट-गाइड गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सामूहिक सहयोग, समन्वय एवं गुणवत्तापूर्ण रोवर-रेंजर कार्यक्रमों के संचालन पर सहमति व्यक्त की गई।

भाकियू महाशक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने देवेंद्र कुमार लोधी को बनाया वरिष्ठ तहसील उपाध्यक्ष

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। भाकियू महाशक्ति के राष्ट्रीय कार्यालय पर दो जून को एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर धर्मेंद्र सिंह ने बताया है कि चकबंदी विभाग में तैनात पूर्व ड्राफ्टमैन जितेंद्र सिंह के द्वारा किसानों से अवैध उगाई सहित सैकड़ों शिकायतों को लेकर दिए गए कई बार ज्ञापन के बाद कार्रवाई नहीं होने पर 15 जून को होंगे लखनऊ रवाना। इसी के साथ संगठन का विस्तार करते हुए एडवोकेट देवेंद्र कुमार लोधी को शिकारपुर तहसील का वरिष्ठ उपाध्यक्ष, और भी कई किसानों को सदस्यता ग्रहण कराई। इस मौके पर कैप्टन चौधरी विक्रम सिंह, बंटी सिंह लोधी राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, राजकुमार सिंह, धर्मवीर सिंह, नानक चंद आदि उपस्थित रहे।

पूर्व जिलाउपाध्यक्ष को मातृ शोक

संदीप तिवारी

मिजार्मुराद(वेलकम इंडिया)। गौर गांव (मिजार्मुराद) निवासी भारतीय जनता पार्टी के वाराणसी के पूर्व जिलाउपाध्यक्ष एवं स्व.वंशनारायण सिंह महिला महाविद्यालय के प्रबंधक संजीव सिंह गौतम की माता जी कवलवास देवी उम्र (80) वर्ष पत्नी वीरेश सिंह गौतम की मंगलवार की सुबह गौर गांव स्थित आवास पर लंबी बीमारी के बाद आकस्मिक निधन हो गया।निधन की सूचना मिलते ही राज्यमंत्री हंसराज विश्वकर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष वाराणसी रामशकल पटेल, किसान इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. शिवराज मिश्रा, प्रवक्ता सुरेन्द्र तिवारी आदि ने मृतका के शव पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष राम प्रकाश दूबे, नागेंद्र रघुवंशी, किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष रामप्रकाश सिंह 'वीरू', जिला महामंत्री प्रवीण सिंह गौतम, एमएलसी प्रतिनिधि संदीप सिंह 'मिंटू', पीपीसी के प्रदेश महासचिव पवन त्रिपाठी, जिलाउपाध्यक्ष अरविंद प्रधान, अखंड प्रताप सिंह, अभिषेक त्रिपाठी, मंडल अध्यक्ष अभिषेक दूबे, सुजीत पाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष सुरेन्द्र बिन्द, धीरज सिंह, राकेश पटेल, प्रवीण विश्वकर्मा, डॉ.आशुतोष, समेत सैकड़ो की संख्या में लोग आवास पर पहुंच शोक संवेदना व्यक्त किया।कवलवास देवी का अंतिम संस्कार मणिकर्णिका घाट पर शाम को हुवा पति वीरेश सिंह गौतम ने मुखाग्नि दी।

कमजोरों की समस्याओं का निदान कराएं पदाधिकारी : राजा मलिक

वेलकम इंडिया संवाददाता

स्याना/बुलंदशहर। राष्ट्रीय मानव सेवा संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता विकार अहमद खान ने बताया कि संगठन की मासिक बैठक का आयोजन स्याना तहसील क्षेत्र के ग्राम वैरा फिरोजपुर में किया गया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राजा मलिक ने अपने वरिष्ठ पदाधिकारियों से संगठन विस्तार को लेकर गंभीरता से चर्चा की और कहा कि आप जनहित में कमजोर वर्ग के लोगों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनकर संबंधित अधिकारियों से उक्त समस्या का निस्तारण कराएं, क्योंकि यही संगठन की विशेषता है तथा यही संगठन की विचारधारा है। कहा कि जब कोई न सुने तो आप हमें चुनें, आपकी आवाज हम उठाएंगे। बैठक में राष्ट्रीय मुख्य सचिव अम्बरीष त्यागी, महासचिव रेवती प्रसाद, सचिव प्रमोद त्यागी, ऊंचागांव ब्लॉक अध्यक्ष विनीत कुमार, गुलाम रसूल, सगीर अहमद, शौकीन अली, जाहिद चौधरी, शिवधन लोधी, दिनेश त्यागी, ऋषि त्यागी, सुबोध त्यागी, तपराज त्यागी, अजय त्यागी, लखमी लोधी, सुखबीर त्यागी, सुनील त्यागी, अशोक त्यागी, ओमप्रकाश त्यागी, पवन त्यागी, सुभाष त्यागी, ओमप्रकाश लोधी आदि मौजूद रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्लास्टिक मुक्त करके स्वच्छ किए जाएंगे 100 तालाब

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। जिला पंचायत राज अधिकारी एवं सचिव जिला स्वच्छता समिति प्रदीप कुमार द्विवेदी ने विकास भवन सभागार में खंड स्वच्छता प्रेरकों एवं सामुदायिक शौचालय महिला केयरटेकरों के प्रशिक्षण में कहा कि स्वच्छता विकसित समाज का दर्पण है।

प्रदीप कुमार द्विवेदी ने एक जून से पांच जून तक मनाये जा रहे विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले शासन द्वारा निर्धारित गतिविधियों को उत्साह पूर्वक ग्रामीण क्षेत्र में आयोजित करने तथा अधिक से अधिक जन सहभागिता बढ़ाने के लिए खंड स्वच्छता प्रेरकों को एवं सामुदायिक शौचालय महिला केयरटेकरों को अभिप्रेरित किया।

सचिव जिला स्वच्छता समिति ने स्वच्छता के महत्व पर विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए विकसित समाज बनाने के लिए स्वच्छता के महत्व को रेखांकित किया। प्रशिक्षण में पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के अनुसार स्वच्छता के सात आयामों क्रमश शत प्रतिशत शौचालयों का प्रयोग, पर्यावरणीय स्वच्छता, कूड़ा कचरा प्रबंधन, रूके हुये पानी की उचित निकासी, व्यक्तिगत स्वच्छता, सामुदायिक स्वच्छता, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन पर प्रस्तुतियां की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला स्वच्छता सलाहकार संदीप कुमार, आशीष सिंह समेत समस्त खंड स्वच्छता प्रेरक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन देव भास्कर पांडेय द्वारा किया गया।

बुलंदशहर पहुचीं उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग अध्यक्ष बबीता चौहान, बालाजी दरबार में की मंगल आरती

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर/शिकारपुर। जनपद बुलंदशहर के कृष्णा नगर में स्थित प्रभु श्री बालाजी महाराज के दिव्य धाम बालाजी दरबार में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश सरकार बबीता चौहान का आगमन हुआ। तत्पश्चात बबीता चौहान एवं उनके भाई अरविंद रावत, परिजनों ने अपने स्वर्गीय पिता रामपाल रावत की पुण्य स्मृति में नमन करते हुए मंदिर प्रांगण में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन अर्चन कर दीप यज्ञ एवं मंगल आरती सम्पन्न की। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग अध्यक्ष, का सनातन धर्म के प्रति आस्था एवं श्रद्धा विश्वास बेहद अटूट है। बालाजी दरबार के महंत स्वामी परमदेव महाराज ने बबीता चौहान की सनातन धर्म के लिए समर्पित विचारधारा को राजनैतिक क्षेत्र में प्रसारित करना राजनैतिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक सभी दृष्टि कोण से बहुत ही सराहनीय बताया। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष कांग्रेस श्यौपाल सिंह, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष किसान यूनियन अराजनैतिक मांगेराम त्यागी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य करणवीर सिरोही, ग्राम प्रधान मनोज चौधरी, राजेंद्र अग्रवाल, सभासद सुनील शर्मा, संजय गोयल, ब्रजेश गर्ग, प्राची गर्ग, नरेश वर्मा, सोवेंद्र गुर्जर, समाजसेवी भरत गौड़, भाजपा नेत्री पूजा गुप्ता, सुमन शर्मा, कुसुम सैनी, कमल मकवाना, संजय शर्मा, आर के गर्ग, आदि सम्मानित गण उपस्थित रहे।

गन्ना भुगतान, यूरिया संकट और किसानों के उत्पीड़न पर गरजी भाकियू की मासिक पंचायत

राजेंद्र सिंह

हापुड़ सिंभावली(वेलकम इंडिया)। भारतीय किसान यूनियन की मासिक पंचायत सोमवार को ब्लॉक सिंभावली गन्ना समिति परिसर में आयोजित की गई। पंचायत की अध्यक्षता जिला वरिष्ठ संरक्षक पी.के. वर्मा ने तथा संचालन क्षेत्रीय अध्यक्ष नौशाद अली ने किया। पंचायत में सिंभावली शुगर मिल के जीएम विश्वास राज तथा थाना सिंभावली प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार भी मौजूद रहे।पंचायत को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष जीते चौहान ने कहा कि जनपद में गन्ना भुगतान किसानों की सबसे बड़ी समस्या बनी हुई है। अभी तक किसानों को पिछले वर्ष का भी पूरा भुगतान नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि न्यायालय के निर्देशानुसार 15 दिन के भीतर भुगतान न होने पर किसानों को ब्याज सहित राशि दी जानी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। इससे किसान आर्थिक संकट से जूझ रहा है और स्वयं को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि राष्ट्रीय चिंतन शिविर के बाद शुगर मिलों का अनिश्चितकालीन घेराव किया जाएगा।उन्होंने बताया कि भारतीय किसान यूनियन का राष्ट्रीय चिंतन शिविर 15 से 18 जून तक हरिद्वार में आयोजित होगा, जिसमें अधिक से अधिक किसानों से भाग लेने की अपील की गई।

पंचायत में सर्वसम्मति से पी.के. वर्मा को पुनः जिले का मुख्य जिला संरक्षक मनोनीत किया गया। प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश त्यागी ने संगठनात्मक अनुशासन पर जोर देते हुए कहा कि जिला अध्यक्ष की अनुमति के बिना कोई भी पदाधिकारी आंदोलन, धरना, ज्ञापन या पंचायत का आयोजन न करे। ऐसा करने वालों के खिलाफ संगठनात्मक कार्रवाई की जाएगी।मंडल महासचिव चौधरी वीरेंद्र सिंह ने गंगा एक्सप्रेसवे पर किसानों के साथ हो रहे कथित अभद्र व्यवहार और जबरन टोल वसूली का मुद्दा उठाते हुए कहा कि इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जल्द ही भारतीय किसान यूनियन इस मुद्दे को लेकर आंदोलन करेगी।पूर्व जिला प्रवक्ता कैप्टन राजेश चौधरी ने जिले में यूरिया की कालाबाजारी का आरोप लगाते हुए कहा कि किसान खाद के लिए भटक रहा है, जबकि वर्तमान समय में उसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। वहीं मंडल उपाध्यक्ष सब्बू चौधरी ने किसानों से संगठन को मजबूत बनाने और गांव-गांव सदस्यता अभियान चलाने का आ'ान किया।नगर अध्यक्ष बृजघाट गौरव मिश्रा ने विद्युत विभाग पर किसानों के उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए कहा कि पुराने बिजली बिलों के नाम पर किसानों को परेशान किया जा रहा है, जबकि उनके पास भुगतान की रसीदें मौजूद हैं। उन्होंने बिजली कटौती, जर्जर लाइनों और विभागीय भ्रष्टाचार पर भी चिंता जताई।

पंचायत में सैकड़ों किसान एवं मजदूर उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से ब्लॉक अध्यक्ष गढ़मुक्तेश्वर राजू ठाकुर, सुरेश दीवान, पंकज चौधरी, रणवीर सिंह गुर्जर, रिजवान तोमर, राजकुमार त्यागी, राजकुमार जाटव, तेजवीर सिंह चौहान, फैजल खान, सतनाम सिंह, देवेंद्र नवादा, सुनील चौहान, सुभाष चौहान, जगदीश, दीपांशु, मनोज कुमार, भोपाल सिंह, विजेंद्र सिंह, धीरू चौहान, अमित चौहान, जयंत सिंह, अवनीश कुमार गिरि, उदयवीर सिंह, नितिन चौहान, वीरेंद्र सिंह लोधी, गिरीश कुमार, मांगे सिंह, सुरेश जाटव, रणवीर जाटव, वीरेंद्र त्यागी, गुलफाम मेवाती, संसार सिंह, जगत सिंह, कुलदीप और नवीन सहित अनेक किसान मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने पेराई सत्र 2025-26 के बकाया गन्ना मूल्य भुगतान के सम्बन्ध में की बैठक

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान के द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में बकाया गन्ना मूल्य भुगतान के सम्बन्ध में किसान संगठनों, चीनी मिल के अधिकारियों, उप गन्ना आयुक्त, एवं जिला गन्ना अधिकारी के साथ बैठक की गई।

जिलाधिकारी द्वारा चीनी मिल टोडरपुर के शेयर होल्डर राणा ग्रुप को पेराई सत्र 2024-25 का बकाया गन्ना मूल्य का भुगतान नहीं करने पर कड़ी फटकार लगाते हुए भुगतान करने के निर्देश दिये गये। चीनी मिल गागलहेडी, बिडवी एवं गांगनौली के यूनिट हैड को पेराई सत्र 2025-26 का बकाया गन्ना मूल्य भुगतान शीघ्र करने के निर्देश दिये गये। चीनी मिल टोडरपुर पर पेराई सत्र 2024-26 को 20 करोड तथा चीनी मिल गागलहेडी, बिडवी एवं गांगनौली पर पेराई सत्र 2025-26 का क्रमशः 14.75 करोड, 21.58 करोड तथा 124.16 करोड बकाया है।

बैठक में उप गन्ना आयुक्त ओमप्रकाश सिंह, जिला गन्ना अधिकारी शैलेश कुमार मौर्य, चीनी मिल गागलहेडी, बिडवी एवं गांगनौली के यूनिट हैड तथा चीनी मिल टोडरपुर के शेयर होल्डर राणा ग्रुप के प्रतिनिधि एवं किसान संगठनों के प्रतिनिधि तथा कृषकगण उपस्थित रहे।

महिला ने लगाया दुष्कर्म का आरोप रिपोर्ट दर्ज

वेलकम इंडिया संवाददाता

अहमदगढ़/बुलंदशहर। मंगलवार को थाना अहमदगढ़ पर एक महिला द्वारा तहरीर दी गयी है जिसमें उनके द्वारा बताया गया है कि दिनांक 17.05.2026 को वो खेत पर काम करने गयी थी जिस दौरान उनके साथ एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा गलत काम किया गया है।इसमें सूचना में देरी के कारण इस अज्ञात व्यक्ति की शिनाख्त हेतु स्वॉट टीम मय 03 टीमों का गठन किया गया है इसमें सभी बिन्दूओं पर जानकारी की जा रही है आस पास के सभी सीसीटीवी को भी देखा जा रहा है इसमें शीघ्र अतिशीघ्र अनावरण कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जायेगी।

राज्य स्तर के निदेशानुसार जनपद एवं ब्लॉक स्तर पर "विश्व तम्बाकू निषेध-2026" सप्ताह मनाया गया

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। आज दिनांक 02.06.2026 को राज्य स्तर के निदेशानुसार जनपद एवं ब्लॉक स्तर पर ''विश्व तम्बाकू निषेध-2026'' सप्ताह मनाये जाने हेतु निर्देशित किया गया था।

डॉ0 प्रवीण कुमार मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सहारनपुर के निर्देशन में शिवांका गौड के द्वारा पुलिस विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर पुलिस विभाग के साथ पुलिस लाइन, सहारनपुर में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस -2026'' के उपलक्ष में अभिमन्यु पुलिस अधीक्षक यातायात, सहारनपुर की अध्यक्षता में पुलिस अधिकारियो एंव कर्मचारियो को तम्बाकू सेवन न करने हेतु शपथ दिलायी गयी और 01 स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है। उक्त शिविर में अभिमन्यु पुलिस अधीक्षक यातायात, सहारनपुर के द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एव कर्मचारियो को तम्बाकू सेवन न करने हेतु एंव एक स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए जानकारी दी गयी, उनके द्वारा बतया गया की तम्बाकू सेवन किस तरह हमारे स्वास्थ के साथ-साथ हमारी वित्तीय स्थिति को भी बहुत प्रभावित करता है।

कार्यक्रम में उपस्थित जिला तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ से मुदस्सर अली जिला सलाहकार सहारनपुर के द्वारा तम्बाकू सेवन से होने वाले रोगो के बारे में एवं उनके लक्षणों के बारे में जानकारी दी गयी, सुश्री बुशरा अन्सारी साइक्लोजिस्ट के द्वारा तम्बाकू सेवन से होने वाले रोगो के साथ-साथ तम्बाकू सेवन छोडने हेतु स्वास्थ्य विभाग की सुविधाओ के बारे में जानकारी दी गयी।

कार्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम से अंशिका सिंह मनोचिकित्सीय सामाजिक कार्यकर्ता के द्वारा उपस्थित समस्त प्रतिभागियों को प्रतिदिन की कार्यशैली में मानसिक स्वास्थ्य की महत्ता का बताया गया और यह कैसे इससे हमारी जीवन शैली प्रभावित होती है और इसके लक्षणों के साथ- साथ इसकी रोकथाम के साथ उचित उपचार के बारे में जानकारी दी गयी हैं।

ब्राइटलैंड एकेडमी में फादर्स डे एवं फैमिली फन डे का भव्य आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। ब्राइटलैंड एकेडमी में फादर्स डे एवं फैमिली फन डे बड़े उत्साह, उमंग और पारिवारिक सौहार्द के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद मोदीनगर के चेयरमैन विनोद वैशाली जी रहे। विद्यालय परिसर बच्चों, अभिभावकों एवं शिक्षकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता से जीवंत हो उठा।

आज की भागदौड़ भरी और व्यस्त जीवनशैली में 'फैमिली फन डे ऑन संडे' हमें यह याद दिलाता है कि परिवार के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना कितना आवश्यक है। ऐसे आयोजन न केवल परिवार के सदस्यों को एक-दूसरे के और करीब लाते हैं, बल्कि बच्चों के भावनात्मक एवं सामाजिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी उद्देश्य के साथ ब्राइटलैंड एकेडमी ने इस विशेष दिवस का आयोजन किया, जिसमें बच्चों एवं उनके अभिभावकों ने मिलकर अनेक मनोरंजक एवं यादगार गतिविधियों में भाग लिया। विद्यालय के संस्थापक विजय शर्मा एवं चेयरमैन अविनाश शर्मा ने कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों एवं उनके पिताओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि परिवार बच्चों की पहली पाठशाला होता है और माता-पिता का सहयोग ही उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव रखता है। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती प्रियंका शर्मा ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए सभी पिताओं एवं माताओं का कार्यक्रम को सफल और यादगार बनाने के लिए हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ब्राइटलैंड एकेडमी केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि एक ऐसा परिवार है जहाँ बच्चों के संस्कार, व्यक्तित्व एवं पारिवारिक मूल्यों को समान महत्व दिया जाता है।

मुख्य अतिथि विनोद वैशाली ने विद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में पारिवारिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का कार्य करते हैं तथा बच्चों को अपने माता-पिता के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का भाव सिखाते हैं। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, मनोरंजक खेलों एवं पारिवारिक गतिविधियों ने सभी का मन मोह लिया। समारोह का समापन हर्षोल्लास एवं मधुर स्मृतियों के साथ हुआ।

जलभराव की समस्याओं को लेकर महिलाओं ने प्रदर्शन कर धरना दिया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। गांव डबाना में पानी निकासी नहीं होने के कारण रास्तों पर जलभराव की समस्याओं को लेकर महिलाओं ने तहसील मुख्यालय पर प्रदर्शन कर धरना दिया है। जलभराव ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी हो रही है। महिलाओं ने पानी निकासी की मांग की। गांव डबाना से बड़ी संख्या में महिलाओं ने तहसील में प्रदर्शन कर एसडीएम कार्यालय के बाहर धरना दिया। गांव निवासी महिला रविंद्री देवी ने बताया कि गांव का पानी तालाब में जाता था। पिछले दिनों सांसद निधि से गांव में खड़ंजा लगा है। खड़ंजा निर्माण के बाद से पानी की निकासी बाधित हो गई है। इस कारण पानी रास्तों पर भरा है। इससे ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी हो रही है। तहसीलदार रजत सिंह को एक ज्ञापन सोपा। तहसीलदार में समस्या के समाधान करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर समाज सेविका एवं रालोद की महिला जिला अध्यक्ष सुमन चौधरी आदि महिलाएं उपस्थित रही।

भगवान गंज मंडी वासियों ने शाम 7 बजे के बाद ब्लिंकिट को बंद करने की मांग की

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भगवान गंज मंडी निवासियों ने मंडी के रिहायशी क्षेत्र में लगभग छह माह पूर्व खुली ऑनलाइन सामान डिलीवरी सेवा कंपनी ब्लिंकिट को शाम 7 बजे के बाद बंद करने की मांग की है। भगवान गंज मंडी निवासियों ने मंडी के चौराहे पर प्रदर्शन व नारेबाजी की। भगवान गंज मंडी वासियों ने कहा कि ब्लिंकिट से उन्हें कोई आपत्ति नहीं है लेकिन इसके अनेक कर्मचारी शाम के बाद शराब पीकर तेज रफ्तार बाइक चलाते हैं जिससे कई बार गंभीर दुर्घटना होने से बची है साथ ही कॉलोनी की महिलाओं से भी कई बार अभद्रता कर चुके हैं इसके अलावा रात को 9 बजे के बाद बाहरी असामाजिक तत्व भी ब्लिंकिट कर्मचारियों के साथ कॉलोनी में घूमते रहते हैं व कॉलोनी वासियों के टोकने पर भुगतने की धमकी देते हैं ऐसा कई बार हो चुका है। ते इन आसपास के घरों में रहने वालो को बहुत ज्यादा असुविधा हो गई है क्युकी उनके घरी के बाहर हर वक्त बाइक लिए ब्लिंकिट कर्मचारी घूमते रहते हैं जिसकी वजह से इन घरों में रहने वाले लोगों विशेषकर महिलाओं एवं लड़कियों का बाहर निकलना भी दूभर हो गया है। अतः भगवान गंज मंडी कसियों की मांग है कि उनकी कॉलोनी की सुरक्षा पर ध्यान दिया जाए व शाम को 7 बजे के बाद ब्लिंकिट की सेवाएं बंद की जाए ताकि आमजनता को असुविधा न हो।

संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन कैडेटों को फायरिंग के तरीके तथा योगाभ्यास कराया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। एस आर एम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी एन सी आर मोदीनगर में 35 बटालियन एनसीसी द्वारा बटालियन कमांडिंग ऑफिसर कर्नल पीयूष कुमार सिंह तथा एडम ऑफिसर गुरमीत सिंह गुजराल के नेतृत्व में चलने वाले संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन पहले चरण में कैडेटों को योगाभ्यास कराया गया। दूसरे चरण में एन सी सी प्रशिक्षकों के द्वारा 0.22 डीलक्स राइफल को खोलना बांधना, फायरिंग के तरीके तथा राइफल के पार्ट्स आदि के बारे में राइफल के माध्यम से समझाया गया। इसी चरण मे अग्निशामक दल मोदीनगर के फायर ऑफिसर इंस्पेक्टर अमित चौधरी द्वारा आग लगने के कारण तथा आग बुझाने के तरीकों को समझाया गया। शाम को कैडेटों के बीच 100 मीटर दौड़ प्रतिस्पर्धा कराई गई। इन सभी आयोजनों में सुबेदार मेजर लेफ्टिनेंट परमानंद, कैप्टन रजनीश जिंदल, फर्स्ट ऑफिसर रितेश राय, सेकेंड ऑफिसर गुडडु गुप्ता, सी टी ओ डॉ ए- कथिरेशन, एनसीसी इंस्ट्रक्टर देवराज सिराधना, बी एच एम पंकज कुमार, सुबेदार सूर्यमान घाले, गर्ल कैडेट इंस्ट्रक्टर सोनिया तथा ज्योती आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय साहसिक शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु सम्मान

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मुल्तानी मल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक अंकित एवं नंदिनी बिसवाल को राष्ट्रीय साहसिक शिविर, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा प्रेषित प्रमाण पत्र महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) डी. के. अग्रवाल द्वारा प्रदान किए गए। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. (डॉ.) डी. के. अग्रवाल ने विद्यार्थियों की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे छात्र हमारे महाविद्यालय और देश की शान है एवं इस प्रकार के साहसिक शिविर विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, आत्मविश्वास एवं टीम भावना का विकास करते हैं। उन्होंने स्वयंसेवकों को भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट कार्य करने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अमर सिंह कश्यप ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं के व्यक्तित्व विकास का एक महत्वपूर्ण माध्यम है तथा ऐसे शिविर विद्यार्थियों को नई चुनौतियों का सामना करना सिखाते हैं। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राज कुमार ने स्वयंसेवकों की सराहना करते हुए कहा कि अंकित एवं नंदिनी बिसवाल ने महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है और अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा प्रस्तुत की है।

मुल्तानीमल मोदी कॉलेज में माय भारत भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। वीर सावरकर जी की जयंती के अवसर पर युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार की पहल 'माय भारतझ मेरा युवा भारत' के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय 'शसक्त भारत में वीर सावरकर की भूमिका' रखा गया, जिसका उद्देश्य युवाओं को राष्ट्रभक्तों के विचारों से जोड़ना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गाजियाबाद जनपद की नव नियुक्त जिला युवा अधिकारी, सुश्री एकता मिश्रा उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज प्राचार्य डॉ. डीके अग्रवाल ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमर सिंह कश्यप के साथ डॉ. राजकुमार, डॉ. शिवांगी त्रिवेदी एवं डॉ. कोमल गुप्ता मंच पर उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने पूरे जोश के साथ भाग लिया और वीर सावरकर के योगदान, राष्ट्रवाद और सशक्त भारत की परिकल्पना पर अपने विचार रखे। निर्णायक मंडल के मूल्यांकन के बादः - प्रथम स्थानः अपेक्षा त्यागी,- द्वितीय स्थानः नकुल सैन,- तृतीय स्थानः सिमरन। विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि सुश्री एकता मिश्रा एवं प्राचार्य डॉ. डीके अग्रवाल द्वारा प्रशस्ति पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

माय भारत की डिप्टी डायरेक्टर सुश्री एकता मिश्रा ने कहा कि माय भारत युवाओं को वीर सावरकर जैसे राष्ट्रभक्तों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर देश सेवा में आगे आने का मंच देता है। प्राचार्य डॉ. डीके अग्रवाल ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं युवाओं में राष्ट्रीय चेतना और आत्मविश्वा दोनों बढ़ाती हैं। डॉ. अमर सिंह कश्यप ने युवाओं से समाज सेवा और राष्ट्रहित में सक्रिय रहने का आ'ान किया। कार्यक्रम में कॉलेज स्टाफ, राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। संचालन माय भारत वॉलंटियर लक्ष्य कौशिक और यश शर्मा द्वारा किया गया।

ग्राम फिरोजपुर में तालाब की भूमि को कब्जा मुक्त करवाया गया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। उप जिलाधिकारी अजीत कुमार सिंह महोदय के निर्देशन में मंगलवार आज दिनांक 2.6 2026 को ग्राम फिरोजपुर तहसील मोदीनगर स्थित तालाब गाटा संख्या 224 का सीमांकन पुलिस बल थाना निवाड़ी ग्राम प्रधान एवं अन्य ग्राम वासियों की उपस्थिति में किया गया, तथा तालाब का क्षेत्रफल तीन बीघा भूमि0.2320 हेक्ट अवैध कब्जे से मुक्त कराकर सरकारी अभी रक्षा में लेकर जेसीबी के माध्यम से खाई लगवा कर सीमेंट के पिलर स्थापित किए गए ,कार्रवाई के समयनायब तहसीलदार मोदीनगर मुकेश कुमार शर्मा, राजस्व निरीक्षक निवाड़ी मुलेंद्र शर्मा ,क्षेत्रीय लेखपाल श्रीमती बबीता त्यागी एवं लेखपाल अजीत , मयंक चौधरी उपस्थित रहे।

बंद पड़ी फैक्ट्री के सामने युवक की लाश मिली

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। कोतवाली क्षेत्र स्थित मोदीपोन पुलिस चौकी क्षेत्र में मंगलवार सुबह लगभग 30 वर्षीय एक युवक की लाश पड़ी मिलने से क्षेत्र में दहशत का माहौल व्याप्त हो गया।चौकी पुलिस ने लाश का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मंगलवार की सुबह हापुड़ रोड स्थित बंद पड़ी मोदी पोन फैक्ट्री के सामने लोगों को एक लाश पड़ी मिली। जिसकी खबर फैलते ही मौके पर मृतक को देखने वालों की भीड़ लगनी शुरू हो गई।इसी बीच किसी ने पुलिस को मामले की सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक शख्स की शिनाख्त कराने का काफी प्रयास किया।आखिर कई घंटे की मशक्कत के बाद मृतक व्यक्ति की पहचान मांगू पुत्र रणबीर कश्यप निवासी जगतपुरी के रूप में हुई।मृतक शादीशुदा था जिसकी 7 वर्षीय बड़ी बेटी जादू और 3 वर्षीय छोटी बेटी सोना बताई गई है।

संस्कृत दर्शन पार्क बनेगा गाजियाबाद की नई पहचान, जीडीए उपाध्यक्ष ने किया निर्माण कार्यों का निरीक्षण

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) द्वारा भारतीय संस्कृति, ज्ञान परंपरा और संस्कृत भाषा के गौरवशाली इतिहास को समर्पित विकसित किए जा रहे संस्कृत दर्शन पार्क के निर्माण कार्यों का मंगलवार को उपाध्यक्ष नन्द किशोर कलाल ने स्थलीय निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने अभियंत्रण अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों के साथ पार्क में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपाध्यक्ष ने थीम आधारित संरचनाओं, लैंडस्केपिंग, पाथवे, प्रकाश व्यवस्था, जल संरचनाओं और अन्य निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त करते हुए शेष कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए।

करीब 14 करोड़ रुपये की लागत से विकसित हो रहा यह महत्वाकांक्षी पार्क अगस्त 2025 में शुरू किया गया था। जीडीए का लक्ष्य जून 2026 तक निर्माण कार्य पूर्ण कर इसे आम जनता को समर्पित करना है। संस्कृत दर्शन पार्क केवल एक उद्यान नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, दर्शन और ज्ञान परंपरा का जीवंत केंद्र होगा। यहां संस्कृत भाषा, वेद, उपनिषद, महाकाव्य और भारतीय चिंतन परंपरा से जुड़े विषयों को आधुनिक एवं आकर्षक माध्यमों से प्रस्तुत किया जाएगा।

पार्क में संस्कृत श्लोकों और सूक्तियों की प्रदर्शनी, कलात्मक संरचनाएं, फाउंटेन, जल संरचनाएं, ओपन एयर गतिविधि क्षेत्र, आधुनिक बैठने की व्यवस्था तथा आकर्षक प्रकाश सज्जा जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।

उपाध्यक्ष नन्द किशोर कलाल ने कहा कि यह परियोजना गाजियाबाद की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊंचाई प्रदान करेगी और नई पीढ़ी को भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा एवं सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी।

उन्होंने हरित क्षेत्र के विकास, स्वच्छता, सुरक्षा प्रबंधन और आगंतुक सुविधाओं को प्राथमिकता के साथ विकसित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग एवं समन्वय बनाए रखते हुए निर्माण कार्यों में गति बनाए रखने और किसी भी तकनीकी या प्रशासनिक बाधा का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि परियोजना समय पर पूर्ण होकर गाजियाबाद के प्रमुख पर्यटन एवं आकर्षण केंद्रों में शामिल हो सके।

भाजपा की गलत नीतियों से गाय की नस्ल खतरे में: मो0 अरशद खान

वेलकम इंडिया संवाददाता

जौनपुर। भारत किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष, समाजवादी Party के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने पीडीए भवन, कटघरा, जौनपुर में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकारों की गलत नीतियों के कारण आज देश में गौवंश गंभीर संकट का सामना कर रहा है।

उन्होंने कहा कि जो बैल कभी एक लाख रुपये तक की कीमत में बिकता था, आज उसे सौ रुपये में भी खरीदने वाला नहीं मिल रहा है। इसी प्रकार जो गाय किसान की सबसे बड़ी संपत्ति मानी जाती थी, उसकी भी उपयोगिता और आर्थिक मूल्य लगातार घटता जा रहा है। यह स्थिति केवल किसानों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे देश के पशुधन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए चिंताजनक है।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि देश में लंबे समय से गाय के नाम पर जनभावनाओं को भड़काकर राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास किया गया है। अब आवश्यकता इस बात की है कि इस विषय पर भावनात्मक उन्माद नहीं, बल्कि गंभीर राष्ट्रीय बहस और व्यावहारिक नीति तैयार की जाए।

उन्होंने कहा कि गौवंश केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं है, बल्कि भारत की कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, संस्कृति और सामाजिक संरचना का महत्वपूर्ण आधार रहा है। सदियों तक देश की अर्थव्यवस्था खेती और पशुधन पर आधारित रही। किसी परिवार की समृद्धि का आकलन उसके पशुधन, बैलों, गायों और कृषि संसाधनों से किया जाता था। गांवों में दरवाजे पर खड़े मजबूत बैल किसान की आर्थिक शक्ति और सम्मान के प्रतीक माने जाते थे।

उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब खेती पूरी तरह बैलों के सहारे होती थी तथा बैलगाड़ियां परिवहन का प्रमुख साधन थीं। ग्रामीण जीवन, कृषि व्यवस्था और स्थानीय व्यापार पशुधन पर आधारित था। किंतु आधुनिक मशीनों, ट्रैक्टरों और तकनीकी संसाधनों के बढ़ते उपयोग के कारण बैलों की उपयोगिता लगातार कम होती चली गई। आज किसान आर्थिक

मजबूरियों के चलते बैल पालने से पीछे हट रहा है।

मोहम्मद अरशद खान ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि बैल की उपयोगिता समाप्त हो गई तो भविष्य में गाय भी संकट में पड़ जाएगी, क्योंकि गौवंश का अस्तित्व परस्पर जुड़ा हुआ है। केवल भावनात्मक नारों से गौवंश की रक्षा संभव नहीं है। इसके लिए आर्थिक मॉडल, वैज्ञानिक नीति और व्यवहारिक समाधान विकसित करने होंगे।

उन्होंने देश के सभी धमार्चार्यों, शंकराचार्यों, महामंडलेश्वरों, सामाजिक चिंतकों, कृषि विशेषज्ञों, पत्रकारों, बुद्धिजीवियों तथा विशेष रूप से हिंदू समाज से अपील करते हुए कहा कि आधुनिक भारत में बैल की उपयोगिता बढ़ाने और पशुधन आधारित अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने पर राष्ट्रव्यापी संवाद शुरू किया जाना चाहिए। मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि भारत की साझा संस्कृति और सामाजिक सद्भाव को बनाए रखने के लिए इतिहास में विभिन्न शासकों ने समय-समय पर संतुलित नीतियां अपनाईं। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक विवरणों के अनुसार प्रथम मुगल सम्राट बाबर ने अपने पुत्र हुमायूं को सलाह दी थी कि भारत में हिंदू समाज गाय को पूजनीय मानता है, इसलिए सामाजिक सद्भाव बनाए रखने हेतु गाय के वध से परहेज किया जाए। उन्होंने कहा कि इतिहास में यह भी उल्लेख मिलता है कि हुमायूं तथा अन्य शासकों ने भी कई अवसरों पर धार्मिक संवेदनशीलता के विषयों पर संतुलित दृष्टिकोण अपनाया।

उन्होंने प्रधानमंत्री से मांग की कि पूरे देश में गाय के वध पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए ताकि करोड़ों लोगों की धार्मिक भावनाओं और आस्था का सम्मान सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही उन्होंने मांग की कि बैल आधारित गतिविधियों और पशुधन क्षेत्र को उद्योग का दर्जा दिया जाए तथा पशुपालन आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर नई नीति बनाई जाए। उन्होंने कहा कि यदि सरकार वैज्ञानिक, व्यवहारिक और रोजगारपरक नीति अपनाए तो पशुपालन क्षेत्र में करोड़ों लोगों को रोजगार मिल सकता है, किसानों की आय बढ़ सकती है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिल सकती है। उन्होंने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है और यहां पशुधन आधारित उद्योगों की अपार संभावनाएं हैं। यदि सरकार इस क्षेत्र को संगठित ढंग से विकसित करे तो किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, ग्रामीण युवाओं को रोजगार मिलेगा और देश की अर्थव्यवस्था को भी लाभ पहुंचेगा।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि देश को नफरत, उन्माद और टकराव की राजनीति से ऊपर उठकर सामाजिक सद्भाव, किसानों की आर्थिक मजबूती, पशुधन संरक्षण और राष्ट्रीय विकास की दिशा में ठोस एवं दूरदर्शी नीति बनानी चाहिए। लोकतंत्र में हर विषय का समाधान संवाद, बहस और संवैधानिक प्रक्रिया के माध्यम से निकाला जाना चाहिए। केवल राजनीतिक लाभ के लिए समाज को बांटने का प्रयास देशहित में नहीं है। भारत की वास्तविक शक्ति उसकी गंगा-जमुनी तहजीब, सामाजिक एकता और किसानों की मेहनत में निहित है।

खोड़ा में प्रशासन का डबल एक्शन: दो अवैध मदरसे सील, सूर्या चौहान के परिवार को मिला रोजगार का सहारा

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। खोड़ा क्षेत्र में मंगलवार को पुलिस और प्रशासन ने बड़ी संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से संचालित दो मदरसों को सील कर दिया। जांच में दोनों संस्थान बिना मान्यता, पंजीकरण और आवश्यक सुरक्षा अनुमतियों के संचालित पाए गए। कार्रवाई पुलिस कमिश्नर जे. रविन्द्र गौड़ और जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ के निर्देशन में की गई। प्रशासनिक जांच में मदरसा रहमानिया अरेबिया कासिम-उल-उलूम तथा सुल्तान अलारफीन मदरसा के पास वैध मान्यता, जिला अल्पसंख्यक कल्याण विभाग में पंजीकरण, अग्निशमन विभाग और विद्युत सुरक्षा विभाग की एनओसी नहीं मिली। इसके बाद दोनों संस्थानों को सील कर संबंधित प्रबंधन को एक सप्ताह के भीतर अपना पक्ष रखने के निर्देश दिए गए।

कार्रवाई के दौरान क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया तथा 14 हिस्ट्रीशीटरों का सत्यापन भी किया गया। पुलिस कमिश्नर ने स्पष्ट किया कि जनपद में अपराध और अवैध गतिविधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत लगातार अभियान चलाया जा रहा है। वहीं जिलाधिकारी ने कहा कि अवैध कारोबार, अवैध कब्जों और बिना अनुमति संचालित संस्थानों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने यह भी बताया कि मदरसों में अध्ययनरत बच्चों की शिक्षा प्रभावित न हो, इसके लिए वैकल्पिक विद्यालयों में प्रवेश की व्यवस्था कराई जाएगी।

इस दौरान जिलाधिकारी ने दिवंगत सूर्या चौहान के परिजनों से मुलाकात कर नगर पालिका खोड़ा में परिवार के एक सदस्य को नियुक्ति पत्र सौंपा। उन्होंने परिवार को आश्वस्त किया कि शासन-प्रशासन हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ा है। पुलिस और प्रशासन की इस कार्रवाई को खोड़ा क्षेत्र में कानून व्यवस्था और जनसुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

रिक्शा चालक की बेटी ने लिखी कामयाबी की नई इबारत: 'विद्युत सखी' फरजाना बनीं महिला सशक्तिकरण की मिसाल

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कभी गरीबी और अभावों से जूझने वाली फरजाना आज आत्मनिर्भरता, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण की प्रतीक बन गई हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) से जुड़कर उन्होंने न केवल अपनी जिंदगी बदली, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के लिए भी प्रेरणा का नया अध्याय लिखा है। मेरठ जिले के माछरा गांव में जन्मी फरजाना ने बचपन में ही अपनी मां को खो दिया था। पिता रिक्शा चलाकर परिवार का पालन-पोषण करते थे। आर्थिक तंगी और कठिन हालात के बावजूद उन्होंने कभी हिम्मत नहीं हारी। विवाह के बाद भी संघर्ष जारी रहा, लेकिन दृढ़ संकल्प और परिवार के सहयोग से उन्होंने अपने सपनों को साकार करने की राह बनाई। वर्ष 2017 में एनआरएलएम से जुड़ने के बाद उनके जीवन में बड़ा बदलाव आया। उन्होंने पढ़ाई दोबारा शुरू की और वर्ष 2023 में बीए की डिग्री प्राप्त कर यह साबित कर दिया कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती। इसके साथ ही खेलकूद और सामाजिक गतिविधियों में भी उन्होंने उल्लेखनीय भागीदारी निभाई। फरजाना ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत खुले में शौच मुक्त अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई और ग्रामीणों को जागरूक करने का कार्य किया। वर्तमान में वह 'विद्युत सखी' के रूप में कार्यरत हैं और गांव-गांव जाकर बिजली बिल जमा कराने के साथ लोगों को विद्युत सेवाओं से संबंधित जानकारी भी उपलब्ध करा रही हैं। उनकी मेहनत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब तक वह चार करोड़ रुपये से अधिक के बिजली बिल जमा करा चुकी हैं और ढाई लाख रुपये से अधिक का कमीशन अर्जित कर चुकी हैं। फरजाना अपनी सफलता का श्रेय राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, स्वयं सहायता समूह और शासन-प्रशासन के सहयोग को देती हैं। उनकी संघर्ष से सफलता तक की यह कहानी बताती है कि अगर इरादे मजबूत हों तो मुश्किल हालात भी सफलता की राह नहीं रोक सकते। फरजाना आज हजारों महिलाओं के लिए प्रेरणा और आत्मनिर्भर भारत की सशक्त पहचान बन चुकी हैं।

फरार आरोपियों को पनाह देने वालों पर भी शिकंजा: लोनी पुलिस ने दो महिलाओं को किया गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद के लोनी थाना क्षेत्र में हत्या के प्रयास और अपहरण के सनसनीखेज मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए फरार आरोपियों को संरक्षण देने के आरोप में दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से आरोपियों की मदद करने वालों में भी हड़कंप मच गया है।

पुलिस के मुताबिक 30 मई 2026 को गांव गनौली निवासी सुरेन्द्र की शिकायत पर हत्या के प्रयास, अपहरण और आपराधिक षड्यंत्र समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच के दौरान सामने आया कि मामले के मुख्य आरोपी फरार हैं और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। सभी फरार आरोपियों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया है। विवेचना में यह तथ्य भी सामने आया कि आरोपी मोहित को उसकी मां मन्जू पत्नी मुकुट पंडित और ताई सन्तरेश पत्नी देवा द्वारा संरक्षण दिया जा रहा था। इसके बाद पुलिस ने मुकदमे में संबंधित धाराएं बढ़ाते हुए दोनों महिलाओं की तलाश शुरू की।

मंगलवार को लोनी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मन्जू और सन्तरेश को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि दोनों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है, जबकि मामले में फरार अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। पुलिस का कहना है कि अपराधियों को शरण देने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और कानून से बचने की किसी को अनुमति नहीं दी जाएगी।

अपराधियों को पुलिस की चेतावनी: 'गलती हो गई साहब, अब अपराध नहीं करेंगे' लिखे पोस्टर के साथ कराया गया सत्यापन

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद पुलिस द्वारा जनपद में अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के उद्देश्य से अपराधियों के सत्यापन अभियान को तेज कर दिया गया है। इसी क्रम में मंगलवार को डीसीपी धवल जायसवाल के नेतृत्व में थाना साहिबाबाद क्षेत्र में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों का सत्यापन कराया गया। अभियान के दौरान ऐसे लोगों को चिन्हित किया गया जिनका वर्तमान अथवा पूर्व में आपराधिक इतिहास रहा है। सभी को थाने बुलाकर उनका सत्यापन किया गया। इस दौरान कई व्यक्तियों के हाथों में बड़े अक्षरों में लिखे पोस्टर दिखाई दिए, जिन पर लिखा था, 'साहब, हमसे गलती हो गई, हम आगे से कोई भी अपराध नहीं करेंगे।'

कार्यक्रम में मौजूद पुलिस अधिकारियों ने अपराधियों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि वे अपराध से तौबा कर लें, अन्यथा उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जनपद में अपराध और अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जाएगा। डीसीपी धवल जायसवाल ने बताया कि जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में अपराधियों को चिन्हित कर उनका सत्यापन कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में थाना खोड़ा क्षेत्र में हुई चर्चित हत्याकांड की घटना के बाद पुलिस पूरी तरह सतर्क है और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए विशेष निगरानी एवं सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य अपराधियों को कानून का पालन करने के लिए प्रेरित करना तथा समाज में सुरक्षा और विश्वास का माहौल कायम करना है। अभियान के दौरान बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत थाना विजयनगर पुलिस की बड़ी उपलब्धि

सूझबूझ और तत्परता से गुमशुदा दो मासूम बच्चे सकुशल बरामद, परिजनों के चेहरे खिले

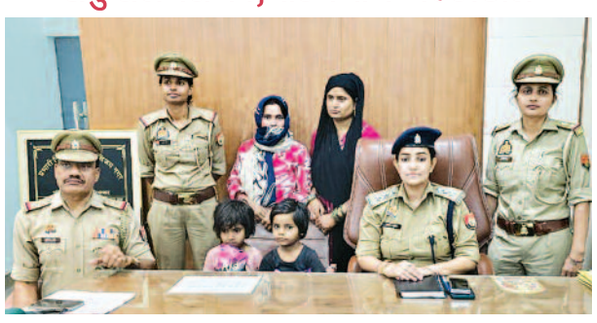

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान अभियान के अंतर्गत थाना विजयनगर पुलिस की मिशन शक्ति टीम ने त्वरित, प्रभावी एवं संवेदनशील कार्रवाई करते हुए गुमशुदा दो बच्चों को सकुशल बरामद कर उनके परिजनों के सुपुर्द किया। बच्चों के गुम होने की सूचना मिलते ही थाना विजयनगर पुलिस द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल खोजबीन अभियान प्रारंभ किया गया। पुलिस टीम ने संभावित स्थानों पर सघन तलाशी अभियान चलाया, स्थानीय लोगों से पूछताछ की तथा उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते हुए निरंतर प्रयास जारी रखे। पुलिस की तत्परता एवं समन्वित कार्यवाही के परिणामस्वरूप दोनों बच्चों को सुरक्षित बरामद करने में सफलता प्राप्त हुई।

बरामदगी के पश्चात आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूर्ण कर दोनों बच्चों को उनके परिजनों को सौंप दिया गया। अपने बच्चों को सकुशल वापस पाकर परिजनों के चेहरों पर खुशी लौट आई तथा उन्होंने थाना विजयनगर पुलिस की मिशन शक्ति टीम की संवेदनशीलता, सक्रियता एवं सराहनीय कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया। ऑपरेशन मुस्कान के तहत कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस की यह कार्रवाई एक और सफल उदाहरण के रूप में सामने आई है, जिससे पुलिस की जनसेवा एवं जनसुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता और अधिक मजबूत हुई है।

पुरुषोत्तम मास में एटीएस एडवांटेज इंदिरापुरम में सप्तदिवसीय श्रीराम कथा का आयोजन

सुमित सोरेन

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर एटीएस एडवांटेज, इंदिरापुरम के निवासियों द्वारा कथा व्यास पंडित सुरेंद्र द्विवेदी जी महाराज के श्रीमुख से सप्तदिवसीय श्रीराम कथा का भव्य आयोजन कराया गया। श्रीराम कथा के दौरान भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन, उनके संघर्ष, त्याग, मर्यादा, भक्ति एवं लोककल्याण के संदेशों का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया गया। कथा श्रवण से श्रद्धालुओं को भगवान श्रीराम, माता सीता, भरत एवं लक्ष्मण के आदर्श चरित्रों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा प्राप्त हुई। कथा का प्रभाव श्रोताओं पर इतना गहरा पड़ा कि समापन अवसर पर श्रद्धालुओं ने कथा व्यास पंडित सुरेंद्र द्विवेदी जी महाराज का तिलक, माल्यार्पण एवं उपहार भेंट कर सम्मान किया। इस दौरान भक्तों ने लगभग आधे घंटे तक व्यासपीठ के निकट रहकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। आयोजक AOA के पदाधिकारियों, मंदिर समिति के सदस्यों एवं एटीएस के निवासियों ने कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कथा व्यास का आभार व्यक्त किया।

जनता की समस्याओं पर नगर निगम गंभीर: 'संभव' जनसुनवाई में 25 शिकायतों के समाधान के निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। नगर निगम मुख्यालय में आयोजित 'संभव' जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान नगर आयुक्त ने नागरिकों की समस्याओं को सुना और उनके त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जनसुनवाई में कुल 25 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिन पर समयबद्ध एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के आदेश जारी किए गए। नगर आयुक्त ने अधिकारियों से कहा कि जनहित से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाए तथा शिकायतकर्ताओं को राहत दिलाने में किसी प्रकार की देरी न हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना और उनकी समस्याओं का समाधान करना नगर निगम की सर्वोच्च जिम्मेदारी है।

'संभव' जनसुनवाई कार्यक्रम के माध्यम से नगर निगम प्रशासन आम जनता की शिकायतों को सीधे सुनकर उनके समाधान की दिशा में प्रभावी कदम उठा रहा है।

नगर निगम ने दोहराया कि नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए वह सदैव प्रतिबद्ध है।

अवंतिका कॉलोनी में चार मंजिला फ्लैट में भीषण आग, फायर ब्रिगेड ने चार लोगों को सुरक्षित बचाया

3 पालतू कुत्तों की दर्दनाक मौत

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। मंगलवार को समय लगभग 03:09 बजे कोतवाली फायर स्टेशन, कमिश्नरेट गाजियाबाद पर सूचना प्राप्त हुई कि अवंतिका कॉलोनी स्थित एक फ्लैट में आग लग गई है तथा कुछ लोग अंदर फंसे हुए हैं। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन कोतवाली घंटाघर से दो फायर टेंडर तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किए गए, जो लगभग 08 किलोमीटर दूरी तय कर मौके पर पहुंचे। रास्ते में ही फायर सर्विस कर्मियों द्वारा फ्लैट में फंसे चारों लोगों से फोन पर संपर्क स्थापित कर उन्हें सुरक्षित रहते हुए बालकनी में एकत्र होने तथा संयम बनाए रखने के आवश्यक निर्देश दिए गए। साथ ही मुख्य अग्निशमन अधिकारी, कमिश्नरेट गाजियाबाद को घटना की जानकारी दी गई।

घटनास्थल अवंतिका फेस-2, प्लॉट नंबर 01 स्थित SK Homes, चार मंजिला भवन पर लगभग 03:20 बजे पहुंचने पर फायर यूनिट्स ने पाया कि तीसरे तल पर स्थित फ्लैट नंबर 202, निवासी श्री पवन शर्मा के फ्लैट में आग लगी हुई है। फ्लैट में मौजूद चार लोग—श्री पवन शर्मा (52 वर्ष), उनकी पत्नी (46 वर्ष), पुत्र (20 वर्ष) एवं पुत्री (18 वर्ष)—घने धुएं के बीच बालकनी में मदद की प्रतीक्षा कर रहे थे। मुख्य अग्निशमन अधिकारी के निर्देश पर तत्काल एक्सटेंशन लैडर लगाकर चारों लोगों को सुरक्षित नीचे उतारा गया। इसके पश्चात हौज लाइन फैलाकर तथा फायर टेंडरों के माध्यम से पानी की बौछार कर आग पर काबू पाने का कार्य शुरू किया गया।

आग मुख्य रूप से फ्लैट के ड्राइंग रूम एवं मुख्य द्वार क्षेत्र में अधिक तीव्रता से फैली हुई थी, जिसके चलते मुख्य द्वार तोड़कर फायर टीम ने अंदर प्रवेश किया। प्रारंभिक जांच में आग का संभावित कारण विद्युत शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। किचन, स्टोर रूम, ड्राइंग रूम एवं एक बेडरूम में लगी आग को पूर्ण रूप से बुझाने के उपरांत सर्च ऑपरेशन चलाया गया, जिसमें अत्यधिक धुएं के कारण दम घुटने से फ्लैट में मौजूद 3 पालतू कुत्तों की दुखद मृत्यु हो गई।

चार मंजिला भवन के भूतल पर पार्किंग एवं दो दुकानें स्थित हैं, जबकि ऊपरी तीन मंजिलों पर प्रत्येक तल पर तीन-तीन फ्लैट निर्मित हैं। इस अग्निकांड में सभी चारों व्यक्तियों को सुरक्षित बचा लिया गया तथा किसी अन्य व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है। फायर सर्विस यूनिट्स द्वारा कूलिंग कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इस दौरान स्थानीय पुलिस टीम भी मौके पर मौजूद रही। अंत में फायर सर्विस यूनिट्स द्वारा आवश्यक कार्यवाही पूर्ण कर घटनास्थल से फायर स्टेशन के लिए वापसी की गई।

चॉकलेट का लालच देकर दो मासूमों से दरिंदगी, पड़ोसी की हैवानियत से सनसनी

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। नंदग्राम थाना क्षेत्र में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां पड़ोस में रहने वाले एक व्यक्ति पर दो मासूम बच्चों के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगा है। घटना के बाद इलाके में आक्रोश और चिंता का माहौल है। पुलिस ने पिता की शिकायत पर आरोपी को हिरासत में लेकर मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार पीड़ित परिवार नंदग्राम क्षेत्र में रहता है। बच्चों के पिता ऑटो रिक्शा चालक हैं। परिवार में सात वर्षीय और छह वर्षीय दो बच्चे हैं। आरोप है कि रविवार को जब बच्चों के पिता किसी काम से बाहर गए हुए थे, तभी पड़ोस में रहने वाले करीब 55 वर्षीय व्यक्ति ने बच्चों को चॉकलेट का लालच देकर अपने घर बुला लिया। वहां आरोपी ने दोनों बच्चों को धमकाकर उनके साथ दुष्कर्म किया। इतना ही नहीं, किसी को घटना की जानकारी देने पर जान से मारने और बुरा अंजाम भुगतने की धमकी भी दी। डर और सदमे के कारण दोनों बच्चे पूरे दिन चुप रहे और अपनी मां को भी कुछ नहीं बता सके। सोमवार को जब उनके पिता घर लौटे तो बच्चों का बदला हुआ व्यवहार देखकर उन्होंने उनसे बात की। इस दौरान दोनों बच्चे रो पड़े और अपने साथ हुई पूरी घटना पिता को बता दी।